दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
सोमवार ,20 अप्रैल 2026
वर्ष: 13 अंक : 122 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ऋचा चड्ढा ने फिल्मों की कास्टिंग पर उठाए सवाल, बोलीं– ऑथेंटिक टैलेंट को मिले मौका

यूपी में नारी शक्तिवंदन विधेयक को लेकर सियासत तेज, विपक्ष पर हमलावर हुई महिला नेता

लखनऊ। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पारित न होने के बाद उत्तर प्रदेश में सियासी घमासान तेज हो गया है। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं और भाजपा महिला नेताओं ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए इसे महिला विरोधी कदम बताया है। यह विधेयक लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से संबंधित था। इसके पारित न होने पर महिलाओं में नाराजगी देखने को मिल रही है और विपक्षी दलों पर महिलाओं का हक छीनने का आरोप लगाया जा रहा है। भाजपा महिला नेताओं का कहना है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस समेत विपक्षी दल परिवारवाद से ग्रस्त हैं और वे केवल अपने परिवार की महिलाओं को ही राजनीति में आगे बढ़ाना चाहते हैं। उनका आरोप है कि विपक्ष नहीं चाहता कि आम महिलाएं संसद और विधानसभाओं में पहुंचे। प्रदेश की मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का महिला विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या महिलाओं को संसद में जाने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। वहीं, मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि आज देश की राष्ट्रपति

समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर महिलाएं कार्य कर रही हैं और देश के विकास में योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के हित में कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं, जिनमें मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक जैसी कुप्रथा से मुक्ति दिलाना भी शामिल है। भाजपा विधायक अदिति सिंह ने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरा समाज मजबूत होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष महिलाओं को उनका अधिकार देने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए इसका विरोध कर रहा है। महिला नेताओं ने यह भी कहा कि यदि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलता तो देश के विकास को नई गति मिलती, लेकिन विपक्ष इसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि आगामी चुनावों में आधी आबादी का हक छीनने की कीमत विपक्ष को चुकानी पड़ेगी।

जनगणना पूरी होने तक महिला आरक्षण पर चर्चा नहीं – अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि जब तक देश में नई जनगणना पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस विषय पर चर्चा नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पारित न होने के मुद्दे पर सत्तारूढ़ दल पर तीखा हमला भी बोला। रविवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि महिलाओं को किसी भी क्षेत्र में प्रभावी भागीदारी देने के लिए क्षमता निर्माण और सहायक बुनियादी ढांचे की जरूरत है। बिना उचित तैयारी के सिर्फ आरक्षण देने से यह कदम दिखावा बनकर रह जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि पुराने आंकड़ों के आधार पर आरक्षण लागू करना गलत

होगा। यदि 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर निर्भर रहा जाए, तो महिला आरक्षण की पूरी नींव कमजोर हो जाती है। उनका कहना था कि "जब गिनती ही सही नहीं होगी, तो आरक्षण कैसे सही हो सकता है।" उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है। साथ ही यह भी कहा कि भाजपा की राजनीति समाज में अविश्वास और भय पैदा करने पर आधारित है, जो अब धीरे–धीरे जनता के सामने उजागर हो रही है। महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल महिला मतदाताओं के बीच विभाजन की राजनीति कर रहा है, लेकिन आज की महिलाएं जागरूक हैं और ऐसी राजनीति को समझती हैं। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि महिला आरक्षण में दलित, पिछड़े, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को भी उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि नई जनगणना के बिना इस तरह के समावेश की गारंटी नहीं दी जा सकती।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं का होगा तेजी से सशक्तिकरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं के हित में लगातार निर्णय लेकर महिलाओं को अधिकार देने के साथ उन्हें सशक्त बना रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. अंबेडकर की पहल को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नारी शक्ति को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने का संकल्प लिया है। यह 21वीं शताब्दी का सबसे बड़ा निर्णय है। इस अधिनियम के लागू हो जाने के बाद नारी शक्ति का तेजी से सशक्तिकरण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को इंदौर के परस्पर नगर स्थित लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का पालन करते हुए मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाकर उनके हित में नया इतिहास लिखा, तो वहीं अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर देवी अहिल्याबाई का शहर है और स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्मस्थली है। आज हम जिस सभागृह में उपस्थित है वह लता मंगेशकर की स्मृति में बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर मां–बेटे का संबंध किसी को बताना है तो सिर्फ यशोदा मैया का नाम लेने से कृष्ण–कन्हैया का स्वतरू ही स्मरण हो जाता है। यशोदा मैया के प्रण की पराकाष्ठा ऐसी थी कि उन्होंने अपनी संतान के प्राणों की चिंता न करते हुए कन्हैया का लालन–पालन किया। जब तक कन्हैया उनके पास रहे कभी बाल बराबर भी आंच नहीं आने दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना धाय का उदाहरण देते हुए कहा कि एक मां ने राज परिवार के बच्चे के प्राणों की रक्षा के लिए अपने कलेजे के टुकड़े को आंखों के सामने बलिदान होते देखा। वहीं,

इंदौर में सुशासन स्थापित करने वाली लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने प्रजा के हितों की रक्षा के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया। जब पेशवा की सेना राज्य पर आक्रमण करने आई तो माता अहिल्याबाई ने सेना तैयार की, जिसका नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया था। उन्होंने अपनी युक्ति और बुद्धि से पेशवाओं को सचेत किया कि बहनों से युद्ध करने पर इतिहास में इसका परिणाम किस प्रकार देखा जाएगा। बहनें कभी हारने वाली नहीं हैं, अगर हार भी गए तो पेशवाओं के माथे पर कलंक लगेगा कि उन्होंने पूरी ताकत से लड़ते हुए राज्य की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकौशल की रानी दुर्गावती ने अकबर के शासनकाल में 52 युद्ध लड़े और सभी में विजय प्राप्त की थी। आखिरी युद्ध में दुश्मन सेना ने तोप का प्रयोग किया। तब रानी ने अपने महावत को आज्ञा पूर्वक खंजर सौंपते हुए कहा कि मैं आखिरी सांस तक युद्ध करूंगी, अगर सेना पराजय की स्थिति में आए तो तुम मेरी जीवन लीला समाप्त कर देना। रानी दुर्गावती ने राज्य की रक्षा के लिए स्वयं को बलिदान कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह दुर्भाग्य का विषय है कि विपक्षी दल वंदेमातरम् का अपमान कर रहे हैं। इसी प्रकार से राम मंदिर के समय भी समाज को बांटने की कोशिश हुई थी। जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को खत्म कर दिया, तब भी विपक्षी दल की सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को पलट दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट के दो निर्णयों को लागू करवाया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक के कलंक से मुक्ति दिलवाई। बदलते दौर के भारत में अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है। विधायक मालिनी गौड़ ने कहा कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। सनातन संस्कृति में नारी को सदैव ज्ञान, शक्ति और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। पंचायत राज संस्थाओं में आधे स्थानों पर महिलाओं को आरक्षण देने के लिए प्रदेश सरकार धन्यवाद की पात्र है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लागू होने पर देश की हर बेटी ऐतिहासिक निर्णयों में अपनी भूमिका निभा पाएगी। लता मंगेशकर ऑडोटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर इंदौर की नारियों ने अनोखी मिसाल पेश की। कार्यक्रम में मंच पर कई वर्गों में कार्य कर रही नारियों ने अपनी सहभागिता की और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ मंच की शोभा बढ़ाई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों में मंत्री, सांसद, विधायक और अधिकारी सब दर्शक दीर्घा में बैठे। कार्यक्रम स्थल पर महिला स्व–सहायता समूह द्वारा विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न स्टॉलों पर जाकर महिलाओं द्वारा उत्पादित सामग्री का अवलोकन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ। कार्यक्रम में कला, संस्कृति, उद्यम, साहित्य आदि क्षेत्रों की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

हार्मुज स्ट्रेट पर बढ़ा तनाव, महिला बिल गिरने पर एनडीए आक्रामक

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मोर्चों पर शनिवार को कई अहम घटनाक्रम सामने आए। एक ओर हार्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ गया है, वहीं लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक गिरने के बाद

एनडीए ने विपक्ष के खिलाफ आक्रामक रुख अपना लिया है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका की नाकेबंदी जारी रहती है तो हार्मुज जलडमरूमध्य को बंद किया जा सकता है। इसके जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान पर दबाव तब तक जारी रहेगा, जब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो जाता। उधर, लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले विधेयक के पारित न होने के बाद एनडीए ने विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गठबंधन के नेताओं ने विपक्ष पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक अभियान चलाने का ऐलान किया है। इसी बीच, उत्तराखंड में आज से चारधाम यात्रा की शुरुआत हो रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यात्रा का शुभारंभ करते हुए यात्री वाहनों को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रशासन ने यात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूरी होने का दावा किया है। खेल जगत में इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स की खराब फॉर्म जारी है। टीम को लगातार पांचवीं हार झेलनी पड़ी। गुजरात टाइटंस ने 5 विकेट से जीत दर्ज करते हुए 180 रनों का लक्ष्य 19.4 ओवर में हासिल कर लिया।

सीसीटीवी में कैद हुए बदमाश, एक बाइक पर फरार

सिंगरौली। बैंक के सामने स्थित एक दुकान के सीसीटीवी फुटेज में लूट/वारदात में शामिल बदमाशों की गतिविधि कैद हो गई है। फुटेज में तीन आरोपित एक ही बाइक पर सवार होकर बैढ़न शहर की ओर भागते नजर आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, घटना के दौरान एक बदमाश हेलमेट पहने हुए था, जबकि अन्य के चेहरे खुले थे। वारदात के समय चार बदमाश बैंक के अंदर मौजूद थे, जबकि एक बाहर निगरानी कर रहा था। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जिले से बाहर निकलने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर दी है और आरोपितों की तलाश तेज कर दी गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि जल्द से जल्द बदमाशों को गिरफ्तार किया जा सके।

बर्धमान में पीएम मोदी का हमला, बोले–बंगाल में 'खेला' और लुटेरों का होगा हिसाब

बर्धमान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के बर्धमान में आयोजित चुनावी रैली में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस बार बंगाल में "खेला" होगा और लुटेरों–अत्याचारियों का पूरा हिसाब किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव भय पर भरोसे की जीत का चुनाव है और पश्चिम बंगाल बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने भाजपा के "सबका साथ, सबका विकास" मंत्र का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार और अत्याचार का अंत किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के 15 साल के शासन ने बंगाल के हर नागरिक और परिवार को सिर्फ भय का माहौल दिया है। अब समय आ गया है कि इस डर को खत्म कर भरोसे और विकास का नया अध्याय शुरू किया जाए। नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा के प्रति बढ़ते जनसमर्थन से टीएमसी घबराई हुई है और जनता को गुमराह करने के लिए झूठे दावे कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा किसी भी जनकल्याणकारी योजना को बंद नहीं करेगी, बल्कि भ्रष्टाचार और लूट की व्यवस्था को समाप्त करेगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने घुसपैठ के मुद्दे पर भी कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जो लोग अवैध रूप से भारत में आए हैं, उन्हें वापस भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि घुसपैठ कराने और फर्जी दस्तावेज बनवाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बचाव और उपचार का संतुलन ही बनेगा स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। तेजी से बदलती जीवनशैली और नॉन–कम्युनिकेबल बीमारियों के बढ़ते खतरे के बीच स्वास्थ्य नीति में बड़े बदलाव की जरूरत पर जोर देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश को दीर्घकालिक रूप से स्वस्थ और उत्पादक बनाने के लिए इलाज के साथ–साथ बचाव (प्रिवेंशन) पर भी समान ध्यान देना होगा। मुख्यमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के सम्मेलन 'एनआईसी–2026' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केवल उपचार–केंद्रित मॉडल अब पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनजागरूकता और जीवनशैली में सुधार पर आधारित

मॉडल अपनाना समय की मांग है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार एक ओर स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने और किफायती इलाज उपलब्ध कराने पर काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर बीमारियों से पहले ही बचाव की रणनीति को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मजबूत उपचार व्यवस्था और व्यापक बचाव अभियान का यह द्विस्तरीय दृष्टिकोण ही भविष्य में भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार बनेगा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आशीर्वाद' की जगह मुक्के! संत सीताराम बाबा और विधायक के बीच मंच पर विवाद, वीडियो वायरल

दतिया। मध्य प्रदेश के दतिया जिले में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान उस वक्त हंगामा मच गया, जब आशीर्वाद लेने पहुंचे भाजपा विधायक प्रदीप अग्रवाल के साथ मंच पर अप्रत्याशित घटना हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, भिंड जिले के निसरोल मंदिर आश्रम के महंत सीताराम बाबा कार्यक्रम में व्यास गद्दी पर विराजमान थे। इसी दौरान विधायक प्रदीप अग्रवाल मंच पर पहुंचे और उन्हें माला पहनाकर आशीर्वाद लेने के लिए झुके। बताया जा रहा है कि जैसे ही विधायक आशीर्वाद लेने झुके, संत सीताराम बाबा अचानक नाराज हो गए और उन्होंने विधायक को धक्का देते हुए कथित रूप से मुक्के मार दिए। इतना ही नहीं, संत ने गुस्से में आकर विधायक द्वारा पहनाई गई माला भी उतारकर उन्हीं की ओर फेंक दी। इस दौरान वे विधायक से नाराजगी जताते हुए कुछ कहते भी नजर आए। मंच पर मौजूद लोगों ने स्थिति को संभालने की कोशिश की, लेकिन घटना का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। फिलहाल इस मामले में किसी भी पक्ष की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सांसद जगदंबिका पाल ने महिलाओं संग सुना पीएम मोदी का 'नारी शक्तिवंदन' संबोधन

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। बांसी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सभा वत्सा स्थित बूथ संख्या 296 व 297 पर रविवार को डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने महिलाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नारी शक्ति वंदन' संबोधन को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, बहनों और युवतियों की सहभागिता रही। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है, जिससे महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने इस विषय को गंभीरता से आगे बढ़ाया, लेकिन विपक्ष के विरोध के चलते यह विधेयक पारित नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि इसे लेकर महिलाओं में निराशा है, क्योंकि यह राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम हो सकता था। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना समेत कई जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने प्रधानमंत्री के विचारों का स्वागत करते हुए महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम सकारात्मक संदेश और जागरूकता के साथ संपन्न हुआ।

श्रीराम–जानकी मंदिर में धूमधाम से मनाई गई परशुराम जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ क्षेत्र में स्थित श्रीराम–जानकी मंदिर परिसर में भगवान परशुराम की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। वैशाख शुक्ल तृतीया के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।सुबह से ही श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना की गई और भक्ति गीतों व मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।कार्यक्रम के दौरान प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. पवन मिश्रा ने भगवान परशुराम के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए लोगों से उनके सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम के शस्त्र और शास्त्र दोनों में निपुणता आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है। इस अवसर पर राधारमण त्रिपाठी, लालजी त्रिपाठी उर्फ लाल बाबा, मुरलीधर मिश्रा, वीरेन्द्र तिवारी, श्याम जायसवाल, शिवशक्ति शर्मा, सौरभ गुप्ता सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, अनूप कसौधन,पवन ओझा, जितेन्द्र पाण्डेय, अशोक दुबे, शरदेंदु त्रिपाठी, आशीष पांडेय, डॉ प्रमोद पांडेय, नरसिंह पाण्डेय, मदन मोहन पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय, राजेन्द्र मिश्रा, सूर्य प्रकाश पाण्डेय, सोनू निगम, आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने समाज में धर्म और संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया।

धर्म और न्याय के प्रतीक थे भगवान परशुराम : नितेश पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर। नगर पंचायत कपिलवस्तु क्षेत्र के वार्ड सुद्दोधननगर स्थित टोला शिवपुर में रविवार को भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर श्रद्धा और भक्ति के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता व नामित सभासद नितेश पाण्डेय ने कहा कि भगवान परशुराम पराक्रम, धर्मनिष्ठा और न्याय के प्रतीक हैं। उनकी कृपा से सभी के जीवन में साहस और सफलता का संचार हो तथा अन्याय के विरुद्ध सत्य और धर्म के मार्ग पर अडिग रहने की शक्ति मिले, यही कामना है। इस अवसर पर श्यामबिहारी मिश्र, शिवम मिश्र, आशीष मिश्र, राकेश मिश्रा, दुर्गेश पाण्डेय, बदमली मिश्र, अमित मिश्र, बलदेव मिश्र, गुड्डू मिश्र, अंगद मिश्र, रजत उपाध्याय, दुर्गेश कुमार, अश्वनी, सत्यम, संतोष मिश्र, भोपाल मिश्र सहित अन्य लोगों ने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

शिवलिंग स्थापना के लिए धूम धाम से निकली कलश यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। क्षेत्र के कृष्णा नगर वार्ड में श्री शिवलिंग स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा के लिए मंदिर स्थल से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पंडित अश्वनी कुमार शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश यात्रा का शुभारंभ कराया। मुख्य यज्ञमान ओमकार पाण्डेय सहित अन्य श्रद्धालु कलश लेकर क्षेत्र के नौखनिया घाट जहा कूड़ा, बूढ़ी राप्ती और राप्ती नदियों का संगम है वहा गाजे बाजे के साथ पहुंचे। संगम स्थल पर पहुंच कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भर कर सभी श्रद्धालु मंदिर स्थल पर पहुंचे। कलश यात्रा कस्बा के विभिन्न वार्डो से भ्रमण करते हुए पूजा स्थल पर पहुंची। इस दौरान धार्मिक जय करे से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा में प्रदीप पाण्डेय, सनद पाण्डेय,हरिशंकर सिंह , मुन्नू दुबे, अतुल दुबे, मदन,रोहित त्रिपाठी गुंजन पाण्डेय, राजनाथ सिंह, अंब्रीश दूबे, चन्दन पाण्डेय, दिपेंद्र पाण्डेय,सूरज पाण्डेय, पंकज चौरसिया, आलोक पाण्डेय, आदित्य पांडेय,मंकु पाण्डेय, झनन पाण्डेय,पिकु त्रिपाठी, पिंकु पाण्डेय, संतोष पांडेय,दिपक पाण्डेय,अखिलेश त्रिपाठी, सुनील सिंह आदि रहे।

पेड़ वाले बाबा ने किया पौधों की कटाई, छटाई कर दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सामाजिक कार्यकर्ता पेड वाले बाबा गौहर अली ने रविवार को रजिस्ट्री दफ्तर के पास लगाए गए पौधों का कटाई, छटाई, निराई गोडाई किया । जो पौधे काफी बड़े हो गए थे उनका ट्री गार्ड निकाल दिया गया साफ करते समय कई लोगों को मधुमक्खी और हड्डियों का शिकार होना पड़ा लेकिन फिर काम जारी रखा। कुछ पौधे अभी पूर्ण रूप से बालिग नहीं हुए हैं जो बारिश होने के बाद पूरी तरह से स्वालम्बी हो जाएंगे । गौहर अली ने बताया कि जो भी पौधा लगाते हैं जब तक पौधे पूर्ण रूप से तैयार ना हो जाए अपने आप बड़े पेड़ का रूप ना ले ले उनकी सेवा जारी रहती है। पर्यावरण के क्षेत्र में निरन्तर योगदान करने वाले पेड वाले बाबा गौहर अली ने बताया कि गर्मी के मौसम में अपना तो ख्याल रखना ही होता है साथ में पेड़े पौधों की भी देखभाल करनी होती है. तेज धूप और गरम हवा से पौधे मुरझा जाते हैं। इनकी हरियाली भी कम हो जाती है। ऐसे में निरन्तर देखभाल जरूरी है। पेड़ पौधों की सेवा में अखिलेश राज, रामलाल सोनी,राहुल कुमार आदि ने योगदान दिया।

गांव–गांव पहुंचकर अनिल चौधरी ने जाना जमीनी हकीकत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। अपना दल (एस) के प्रदेश सचिव (शिक्षा मंच) अनिल चौधरी ने रविवार को बढ़नी बाजार सहित रसूलपुर, बहुती, मेहदानी, पकरैला और महादेव खुर्द का दौरा कर स्थानीय लोगों और ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय समस्याओं, विकास कार्यों और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से सुना। जनसंपर्क के दौरान अनिल चौधरी ने कहा कि आमजन के बीच जाकर उनकी बात सुनना ही सच्ची जनसेवा है। उन्होंने कहा कि सीधे संवाद से जमीनी हकीकत समझने का अवसर मिलता है, जिससे समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को बेहतर दिशा देने में मदद मिलती है। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान उन्होंने शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य स्थानीय मुद्दों पर लोगों की राय जानी। कई लोगों ने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान की अपेक्षा जताई, जिस पर उन्होंने संबंधित मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने का भरोसा दिलाया। अनिल चौधरी ने कहा कि जनता से सीधा जुड़ाव लोकतंत्र की मजबूती का आधार है और जनप्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकर्ताओं को लगातार लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास और सहयोग ही समाज सेवा की सबसे बड़ी ताकत है। दौरे के दौरान बाजार और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने उनका स्वागत किया तथा क्षेत्रीय मुद्दों पर खुलकर चर्चा की।

धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार। नगर पंचायत उसका बाजार अंतर्गत स्थित श्रीकृष्णा द स्कूल सरदार पटेल नगर उसका राजा में रविवार को अक्षय तृतीया पर्व एवं भगवान परशुराम जन्मोत्सव का कार्यक्रम भव्य एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिक्षाविद उजागिर पाण्डेय एवं स्कूल के प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय ने दिव्य ज्योति प्रज्ज्वलित कर एवं भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पण करके किया गया। अक्षय तृतीया पर्व भगवान परशुराम को धूप, दीप, नैवेद्य, वस्त्र, मिष्ठान, पुष्प, आम्र पल्लव अर्पित करके सुख, शांति, आरोग्य की कामना किया गया। शिक्षाविद राम उजागिर पाण्डेय ने अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम के दर्शन के बारे में उपस्थित लोगों को विस्तार से बताया गया। स्कूल के वरिष्ठ शिक्षक सुभाष यादव, सतेंद्र पाण्डेय, दीपक पाण्डेय, मुस्कान सहित राम मिलन मौर्या, रिशु पाण्डेय ने भी भगवान परशुराम की विधिवत पूजा, अर्चना किया। इस अवसर पर लक्ष्मी, दीपाली, आंचल, ज्योति, प्रतिभा, धीरज आदि लोग उपस्थित रहे।

सेठ एम.आर.जयपुरिया स्कूल के द्वारा किया गया सराहनीय प्रयास

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शहर का गौरव और देशभक्ति के प्रेरणा स्रोत महान स्वतंत्रता सेनानी नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा को नया स्वरूप देकर सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल ने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा नेताजी की मूर्ति का रंग–रोगन, आकर्षक सुंदरीकरण एवं भव्य लाइटिंग का कार्य कराया गया, जिसकी शहर भर में सराहना हो रही है। इस पुनीत कार्य के पीछे विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर हिमांशु सेन की सकारात्मक सोच और मेहनत साफ दिखाई दे रही है। उनके प्रयासों से नेताजी की प्रतिमा अब और भी भव्य और आकर्षक नजर आ रही है। स्थानीय लोगों ने कहा कि यह सिर्फ सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि राष्ट्रनायकों के सम्मान का संदेश है। आने वाली पीढ़ियों को ऐसे महापुरुषों के आदर्शों से जोड़ने का यह सुंदर प्रयास है। विद्यालय प्रबंधन का यह कदम समाज को यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माताओं के सम्मान और स्मृतियों को संजोना हम सभी का कर्तव्य है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चरणों में कोटि–कोटि नमन, और इस सराहनीय कार्य के लिए सेठ एम.आर.जयपुरिया स्कूल परिवार तथा मैनेजिंग डायरेक्टर हिमांशु सेन को हार्दिक बधाई। मैनेजिंग डायरेक्टर हिमांशु सेन बताया कि आने वाले समय में जो फौवारा कई वर्षों से खराब पड़ा हुआ है,वह भी बहुत जल्द अपने नए स्वरूप में दिखाई देगा।

जिलाधिकारी का कलेक्ट्रेट में औचक निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर के विभिन्न पटलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संयुक्त कार्यालय, अभिलेखागार, प्रोबेशन, भूलेख, कोषागार, उपजिलाधिकारी न्यायिक, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग सहित कई शाखाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालयों की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रख–रखाव और साफ–सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सफाई व्यवस्था संतोषजनक न मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यालय परिसर में स्वच्छता और अनुशासन से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। औचक निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन कार्यालय बंद मिला, वहीं कई अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित कर्मचारियों में संयुक्त कार्यालय के 13, भूलेख के 3, कोषागार के 6, आबकारी विभाग के 2 तथा प्रोबेशन विभाग का 1 कर्मचारी शामिल है। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने सभी अनुपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही सख्त कार्रवाई करते हुए सभी का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को समयपालन, जिम्मेदारी और कार्यालय व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही मिलने पर और कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नवयुग मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों ने दुर्लभ न्यूरो सर्जरी कर 16 वर्षीय बालक को दिया नया जीवन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मालवीय रोड स्थित नवयुग मेडिकल सेंटर में चिकित्सकों की टीम ने एक अत्यंत जटिल और दुर्लभ न्यूरो सर्जरी कर 16 वर्षीय बालक की जान बचाकर चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। सफल ऑपरेशन के बाद बालक अब पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बालक के परिजनों ने चिकित्सकों की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है। अस्पताल के सर्जन डॉ. अभिजात कुमार ने बताया कि यह सर्जरी बेहद चुनौतीपूर्ण थी और इसे नवयुग मेडिकल सेंटर की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। न्यूरो सर्जन डॉ. आदित्यधर द्विवेदी ने बताया कि बालक छत से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिससे उसके मस्तिष्क में रक्त का थक्का जम गया था। स्थिति अत्यंत नाजुक थी और समय बहुत कम था। यदि उसे लखनऊ ले जाया जाता, तो अस्पताल पहुंचने तक 'गोल्डन आवर' समाप्त हो सकता था, जिससे खतरा और बढ़ जाता। शहर के धर्मशाला रोड निवासी सुशील पाण्डेय ने बताया कि उनका बेटा क्रिकेट खेलते समय घर की छत से आंगन में गिर गया था, जिससे सिर में गंभीर चोटें आई थीं। मामला न्यूरो से संबंधित होने के कारण परिजनों ने लखनऊ के कई अस्पतालों से संपर्क किया, जहां सर्जरी का खर्च 8 से 10 लाख रुपये बताया गया। इसके बाद परिजनों ने नवयुग मेडिकल सेंटर से संपर्क किया। चिकित्सकों की सलाह पर तत्काल सर्जरी का निर्णय लिया गया। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. अभिजात कुमार, न्यूरो सर्जन डॉ. आदित्यधर द्विवेदी, डॉ. सर्वेश, डॉ. दिव्यजात कुमार एवं आशुतोष श्रीवास्तव की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन किया, जो पूरी तरह सफल रहा। परिजनों ने कहा कि अब बस्ती में भी गंभीर न्यूरो समस्याओं का सफल इलाज संभव हो रहा है। चिकित्सकों ने बालक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि गंभीर स्थिति में बाहर जाने से पहले स्थानीय विशेषज्ञों से परामर्श अवश्य लेना चाहिए।

शोहरतगढ़ पुलिस ने बहू–बेटी सम्मेलन में सुरक्षा और स्वावलंबन की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र के बुढनइया में शनिवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत बहू–बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित हुआ,

जिसमें महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन, महिला अधिकारों एवं हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश तथा अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में आयोजित सम्मेलन में महिलाओं को मिशन शक्ति केंद्रों की उपयोगिता, महिला सुरक्षा कानूनों, दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट तथा महिला संबंधी मामलों में काउंसलिंग की जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए।कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112, 1098, 1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी दी गई। इसके अलावा नए कानूनों, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, लिंगानुपात, जनसंख्या संतुलन और साइबर अपराध से बचाव के बारे में भी विस्तार से जागरूक किया गया। सम्मेलन में उपस्थित 30 महिलाओं और 20 बालिकाओं को यातायात नियमों की जानकारी भी प्रदान की गई। पुलिस टीम ने महिलाओं को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मिशन शक्ति केंद्र और पुलिस हेल्पलाइन का तत्काल उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारती एवं उर्मिला सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

30 अप्रैल तक ग्राम सचिवालयों में लगेंगे फार्मर रजिस्ट्री कैंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। एग्रीस्टैक योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री से अब तक वंचित किसानों को शासन ने एक और अंतिम अवसर दिया है। जनपद की सभी ग्राम पंचायतों के ग्राम सचिवालयों में 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाकर कैंप लगाए जा रहे हैं, जहां किसान अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। उप कृषि निदेशक रवि शंकर पाण्डेय ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री न कराने वाले किसानों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने में कठिनाई हो सकती है। पीएम किसान की अगली किस्त के लिए भी फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दी गई है। उन्होंने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री होने से किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, फसल ऋण, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, फसल बीमा तथा आपदा प्रबंधन के तहत क्षतिपूर्ति जैसी सुविधाओं का लाभ लेने में सुगमता होगी। साथ ही आगामी माह से पंजीकृत किसानों को ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा। किसान स्वयं सेल्फ मोड या सहायक मोबाइल एप के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री कर सकते हैं। इसके अलावा जनसेवा केंद्रों और ग्राम पंचायत स्तर पर लगाए जा रहे कैंपों में कृषि विभाग के कार्मिक, राजस्व लेखपाल, पंचायत सहायक एवं रोजगार सेवक के सहयोग से भी पंजीकरण कराया जा सकता है। फार्मर रजिस्ट्री के लिए आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर तथा भूमि अभिलेख (खसरा–खतौनी) की प्रति आवश्यक है। उप कृषि निदेशक ने सभी वंचित किसानों से 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराने की अपील की है।

बापी बाबा जी की जयंती पर सिसवा बुजुर्ग में आयोजित किया गया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। रविवार को इटवा विकास खंड के ग्राम सिसवा बिजृग में पर्यावरण प्रेमी स्वर्गीय रमापति शुक्ल बापी बाबा जी की जयंती में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पंडित रमापति शुक्ल हरित क्रांति एवं शिक्षण सेवा संस्था के तरफ से आयोजित हुआ ।जिसमें भरी संख्या में मरीज को निःशुल्क दवा वितरण और स्वास्थ्य परामर्श किया गया। जिसमें डॉ सिद्धार्य सिंह डॉ प्रियंका फार्मासिस्ट संजय चौधरी और आभा पांडे जी के साथ गांव की आशा गायत्री मौजूद रही । कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व प्रधानाचार्य श्री राम लखन प्रसाद शुक्ला जी , आदित्य शुक्ला जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ,पूर्व ब्लॉक प्रमुख भनवापुर श्री मार्कण्डेय पांडे,पंकज शुक्ला, सुरेश यादव, इंजीनियर प्रणेश शुक्ला अध्यक्ष पंडित रमापति शुक्ल हरित क्रांति एवं शिक्षण सेवा संस्था प्रणेश शुक्ला ने बताया कि आज बापी बाबा जी की जयंती कई स्थानों पर पौधा रोपण भी किया गया ।

कम्प्यूटर और ऑनलाइन कार्य में दक्ष लोगों की जनगणना में ड्यूटी लगाए जाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ ने जनगणना का कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से ससमय सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जनगणना कर्मी के रूप में लगे शिक्षक कर्मचारियों की समस्याओं से सम्बंधित चार सूत्री ज्ञापन जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को देकर निदान की मांग की। संघठन का प्रतिनिधिमंडल जिला महामंत्री कलीमुल्लाह के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी कल्याण सिंह मौर्य, तहसीलदार देवेन्द्र मणि त्रिपाठी, तथा अधिशाषी अधिकारी कपिलवस्तु नवीन कुमार सिंह से व्यक्तिगत रूप से मिलकर तथा जिलाधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी बर्डपुर को चार सूत्रीय मांगपत्र देकर निदान की मांग की। महामंत्री कलीमुल्लाह ने बताया विगत सभी जनगणना से यह जनगणना भिन्न है। पहले सभी जनगणना ऑफलाइन हुए हैं परन्तु यह जनगणना पूर्णतया ऑनलाइन होना है। ऐसी दशा में इस जनगणना को गुणवत्तापूर्ण तरीके से ससमय सकुशल संपन्न कराने हेतु कंप्यूटर और ऑनलाइन कार्य में दक्ष शिक्षक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाए जाने, सभी शिक्षक कर्मचारियों की ड्यूटी उनके कार्यस्थल के आसपास लगाए जाने, दिव्यांग एवं 50 से अधिक आयु वर्ग के कर्मियों, गर्भवती महिलाओं, प्रसूता एवं चिकित्सीय अवकाश पर रहने वाले, तथा गंभीर एवं असाध्य रोग से पीड़ित शिक्षक कर्मचारियों को जनगणना ड्यूटी से मुक्त किए जाने तथा वरिष्ठता के आधार पर शिक्षक कर्मचारियों को पर्यवेक्षक और प्रगणक बनाए जाने की मांग की। उक्त अधिकारीगण ने समस्याओं को गंभीरता से सुनकर निदान का पूरा आश्वासन दिया, साथ ही संबंधित अधीनस्थ को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। उपजिलाधिकारी कल्याण सिंह मौर्य ने वार्ता के दौरान बताया कि शिक्षक कर्मचारियों के पर्याप्त उपलब्धता पर 50 से अधिक आयु वर्ग के शिक्षक कर्मचारियों को जनगणना में ड्यूटी न लगाए जाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। समस्याओं को गंभीरता से सुनने और समाधान के आश्वासन के बाद संघठन के प्रतिनिधिमंडल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में महामंत्री कलीमुल्लाह के साथ राम सेवक, ओम प्रकाश तिवारी, फूलचंद आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

भगवान परशुराम जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा, वक्ताओं ने रखा विचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर/बांसी। रविवार 19 अप्रैल को भगवान विष्णु के 06 ठवें अवतार भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर

पूर्व में तयशुदा कार्यक्रम के अनुसार बांसी नगर में रैली निकाली गई। अपरान्ह 11.30 से सैकडो की संख्या में उपस्थित लोगों से शुरू हुआ शोभायात्रा सियाराम विवाह वाटिका से शुरू होकर पेट्रोल पंप तिराहे पर स्थापित माधव प्रसाद त्रिपाठी पार्क में स्थित उनके मूर्ति पर माल्यार्पण कर आजाद चौक पर आजाद जी के मूर्ति पर माल्यार्पण कर मंगल बाजार होते हुए टेकधर बाबा के मूर्ति पर माल्यार्पण कर रोडवेज होते हुए 12.50 पर वापस आ गई।इस दौरान उत्साह से लबरेज होकर नौजवानों द्वारा नारे लगाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत 01.09 पर दीप प्रज्ज्वलन मंत्राचार और शंखनाद के साथ किया गया।इस दौरान डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल पाल , बांसी विधायक राजा जय प्रताप सिंह के द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। सपा नेत्री व कार्यक्रम में पहुंचे भीष्म शंकर त्रिपाठी व नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय अन्य वरिष्ठजनों के द्वारा भी माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात मंच पर आसीन विप्रो का अंगवस्त्र पहना कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नारी शक्ति के अलावा समाज में कार्यरत कई अन्य लोगों को सम्मानित किया गया इसके पश्चात वक्ताओं ने अपना विचार रखा।कार्यक्रम का संचालन भोला नाथ पाठक ने किया। विशेष सहयोग जिला पंचायत सदस्य अनीता द्विवेदी का रहा। आयोजक समिति के प्रमुख विनोद शुक्ला ने कहा कि आयोजन बहुत ही सफल रहा। सभी के सहयोग पर उन्होंने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिवांगी दूबे राम किंकर त्रिपाठी,शिव कुमार त्रिपाठी,सोनू जायसवाल,हर गोविन्द साहू,अनुपमा सिंह दूबे,विभा शुक्ला,भोला नाथ पाठक, अतुल उपाध्याय,विजय दूबे, जितेंद्र मिश्रा,शनि जायसवाल, दिलीप चतुर्वेदी, अजय कुमार श्रीवास्तव श्अज्जू श आरएस पांडेय, परमात्मा पांडेय, विकास मिश्रा,सूरज पाठक के अलावा बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में परशुराम जी का प्रकाट्य अक्षय तृतीया के अवसर पर हुआ था।इनकी शक्ति अक्षय थी। आठ चिरंजीवियों में होने के कारण वे अमर हैं।सृष्टि के अंत तक वे धरती पर विराजमान रहेंगे। यक्त जानकारी पूर्व ब्लाक प्रमुख भनवापुर पंडित चंद्रप्रकाश मिश्र ने क्षेत्र के ग्राम पड़िया में स्थापित भगवान परशुराम के मंदिर में आयोजित परशुराम जी की जयंती के अवसर पर दिया है।उन्होंने कहा भगवान परशुराम के जीवन वृत्त पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान परशुराम ऋषि जमदाग्नि और माता रेणुका के पुत्र हैं।ये भगवान शिव के अनन्य भक्त और शिष्य भी हैं।इनकी भक्ति और योग्यता से प्रसन्न होकर भोलेनाथ ने इन्हें अपना परशु प्रदान किया था।हमेशा परशु धारण करने के कारण ही ये परशुराम के नाम से विख्यात हैं।अक्षय तृतीया के दिन इनका प्राकट्य होने के कारण इनकी शक्ति अक्षय है।आठ चिरंजीवियों में इनकी गड़ना होने से ये अमर भी हैं।आज भी धरती पर विचरण कर रहे हैं।सीता स्वयंबर में भगवान राम और परशुराम जी की भेंट हुई।वहीं पर भगवान राम ने परशुराम जी को सुदर्शन चक्र को देकर कहा कि आप इसे संभलकर रखें।मेरे अगले अवतार में आप मुझे इसे लौटाइयेगा। तब तक इसे अपने पास रखें। भगवान श्रीकृष्ण को परशुराम जी ने सुदर्शन चक्र गुरु सांदीपनि के आश्रम में वापस दिया था।समाज के अन्य लोगों ने भी परशुराम जी के बारे में जानकारी दिया। हमें अपने आचरण को ठीक रखना होगा।अपने बच्चों को अच्छा संस्कार जरूर दें।इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक कन्हैया पांडेय एवं बीरेंद्र दुबे ठाकुर प्रसाद तिवारी,राजेन्द्र दुबे,मार्कण्डेय पांडेय, जय वर्धन तिवारी ,सुधीर तिवारी,बडकू पांडेय,बाल विनोद त्रिपाठी, बृजेश पाठक,मुन्ना पांडेय,व्यास पांडेय, सुधीर पाठक,हरिशंकर त्रिपाठी, महेश पांडेय,संजय मिश्रा,पप्पू उपाध्याय,रामनिवास पाठक,दीदयाल चौबे,व्यास चतुर्वेदी, गिरीश चतुर्वेदी, बी ए न तिवारी, दिनेश मिश्र,शैलेन्द्र उपाध्याय, बबलू पाठक,पप्पू दुबे,शारदा उपाध्याय,राम कपिल उपाध्याय, राम निवास उपाध्याय, डॉ बलराम त्रिपाठी सहित तमाम ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम के जीवन से जरूर लें शिक्षा : माता प्रसाद पांडेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में परशुराम जी का प्रकाट्य अक्षय तृतीया के अवसर पर हुआ था।इनकी शक्ति अक्षय थी। आठ चिरंजीवियों में होने के कारण वे अमर हैं।सृष्टि के अंत तक वे धरती पर विराजमान रहेंगे। उक्त जानकारी नेता प्रति पक्ष माता प्रसाद पांडेय ने इटवा कस्बे के जेकेजे होटल में आयोजित परशुराम जयंती के अवसर पर दिया है।उन्होंने भगवान परशुराम के जीवन वृत्त पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान परशुराम ऋषि जमदाग्नि और माता रेणुका के पुत्र हैं।ये भगवान शिव के अनन्य भक्त और शिष्य भी हैं।इनकी भक्ति और योग्यता से प्रसन्न होकर भोलेनाथ ने इन्हें अपना परशु प्रदान किया था।हमेशा परशु धारण करने के कारण ही ये परशुराम के नाम से विख्यात हैं।अक्षय तृतीया के दिन इनका प्राकट्य होने के कारण इनकी शक्ति अक्षय है।आठ चिरंजीवियों में इनकी गड़ना होने से ये अमर भी हैं।आज भी धरती पर विचरण कर रहे हैं।सीता स्वयंबर में भगवान राम और परशुराम जी की भेंट हुई।वहीं पर भगवान राम ने परशुराम जी को सुदर्शन चक्र को देकर कहा कि आप इसे संभलकर रखें।मेरे अगले अवतार में आप मुझे इसे लौटाइयेगा। तब तक इसे अपने पास रखें। भगवान श्रीकृष्ण को परशुराम जी ने सुदर्शन चक्र गुरु सांदीपनि के आश्रम में वापस दिया था।समाज के अन्य लोगों ने भी परशुराम जी के बारे में जानकारी दिया। हमें अपने आचरण को ठीक रखना होगा।अपने बच्चों को अच्छा संस्कार जरूर दें।इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक कन्हैया पांडेय एवं बीरेंद्र दुबे ठाकुर प्रसाद तिवारी,राजेन्द्र दुबे,मार्कण्डेय पांडेय, जय वर्धन तिवारी ,सुधीर तिवारी,बडकू पांडेय,बाल विनोद त्रिपाठी, बृजेश पाठक,मुन्ना पांडेय,व्यास पांडेय, सुधीर पाठक,हरिशंकर त्रिपाठी, महेश पांडेय,संजय मिश्रा,पप्पू उपाध्याय,रामनिवास पाठक,दीदयाल चौबे,व्यास चतुर्वेदी, गिरीश चतुर्वेदी, बी ए न तिवारी, दिनेश मिश्र,शैलेन्द्र उपाध्याय, बबलू पाठक,पप्पू दुबे,शारदा उपाध्याय,राम कपिल उपाध्याय, राम निवास उपाध्याय, डॉ बलराम त्रिपाठी सहित तमाम ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। डाक बंगला बढ़नी में भगवान श्री परशुराम जन्म जयंती के पावन अवसर पर श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक गौरव के साथ भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता श्याम जायसवाल शामिल हुए और भगवान परशुराम के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। श्याम जायसवाल ने कहा कि भगवान श्री परशुराम का जीवन त्याग, पराक्रम और धर्म रक्षा का प्रतीक है। उनके आदर्श समाज को सत्य, न्याय और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करने का कार्य करते हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और सनातन मूल्यों को मजबूत करने पर भी बल दिया गया। धार्मिक एवं सामाजिक सौहार्द के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में बढ़नी मंडल अध्यक्ष पप्पू पाठक, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष राजू शाही, भाजपा लखनऊ मंडल अध्यक्ष एकता अग्रवाल, भाजपा महामंत्री अंशु मिश्रा, भानु प्रताप सिंह, प्रधान विजय पाठक, दुर्गेश तथा पंकज चतुर्वेदी समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

115 लीटर डीजल के साथ नेपाली युवक गिरफ़्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की सीमा चौकी ककरहवा और सीमा शुल्क विभाग की संयुक्त टीम ने भारत–नेपाल सीमा पर कार्रवाई करते हुए 115 लीटर डीजल के साथ एक नेपाली नागरिक को पकड़ा है। बरामद डीजल को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय ककरहवा को सुपुर्द कर दिया गया। सूचना के आधार पर संयुक्त दल ने सीमा स्तंभ संख्या 544 के समीप ककरहवा चेक पोस्ट पर भारत से नेपाल जा रही एक बस की तलाशी ली। इस दौरान दो केन में कुल 115 लीटर डीजल बरामद हुआ। पूछताछ में शिवबहादुर बोहरा (42), पुत्र देव बहादुर गोदर क्षेत्री, निवासी ग्राम फेक, थाना तानसेन, जिला पालपा, लुम्बिनी प्रदेश, नेपाल ने बरामद डीजल की जिम्मेदारी ली। पूछताछ में उसने बताया कि नेपाल में डीजल की उपलब्धता मुश्किल होने के कारण वह अपने निजी वाहन के लिए भारत से डीजल ले जा रहा था। संयुक्त दल ने जब डीजल ले जाने संबंधी वैध अनुमति पत्र मांगा तो वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद डीजल जब्त कर कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग को सौंप दिया गया। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिए 43वीं वाहिनी लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में तस्करी के सामान, मानव तस्करी, नशीले पदार्थ, अवैध मुद्रा और वन्यजीव उत्पादों की जब्ती के साथ संबंधित लोगों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सम्पादकीय

गुमशुदाओं की तलाश और मिलने की आस

फलस्वरूप पुलिस आंकड़ों में उनकी गुमशुदगी बनी रहती है। पुलिस का दावा है कि लापता लोगों को खोजने की दर में लगातार सुधार हो रहा है। साल 2016 में जो 23,409 लोग लापता हुए थे, उनमें से करीब 85 फीसदी नौ साल के भीतर मिल गए। साल 2025 में दर्ज मामलों में 63 फीसदी लोगों को भी एक साल के भीतर तलाश लिया गया। दलील है कि कई जटिल मामलों में तलाश का ...

पिछले दिनों इस खबर ने दिल्ली और देश के लोगों को चौंकाया कि इस साल जनवरी माह में ही देश की राजधानी में 800 लोग लापता पाए गए, जिसमें महिला, बच्चे व अन्य वयस्क भी शामिल हैं। जैसा कि स्वाभाविक था दिल्ली में लापता लोगों का आंकड़ा सामने आने के बाद आम लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान गया। बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी–अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं। कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है। दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती–जाती रहती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में करीब 24,893 लोग लापता हुए थे। यानी एक माह में औसतन 2,074 लोग। वहीं साल 2025 में ये संख्या 24,508 लोग लापता हुए। अर्थातः हर माह 2,042 लोग गुम हुए। इस दृष्टि से जनवरी, 26 का आंकड़ा इस संख्या से कम है। सवाल है कि 2026 के पहले माह के आंकड़ों को लेकर भय क्यों व्याप्त हुआ? दरअसल, पहले पंद्रह दिनों के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में हर रोज 54 लोग लापता हो रहे थे। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद लोगों ने इसके मूल में किसी संकट को देखा। दिल्ली पुलिस के अनुसार ये आंकड़े स्थायी गुमशुदगी के नहीं होते। कुछ लोग अल्पकाल के लिए कहीं चले जाते हैं और देर रात तक घर भी लौट आते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑनलाइन और ऐप आधारित सिस्टम के जरिये लोग जल्दबाजी में अपने परिजनों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। मसलन यदि कोई बच्चा किसी कारणवश स्कूल से लौटने में देर कर दे, कोई व्यक्ति कुछ घंटों तक फोन संपर्क से कट जाए या कोई बुजुर्ग भटकने पर देर से घर पहुंचे तो लोग गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। ये कथित गुमशुदा लोग कुछ समय बाद घर तो लौट आते हैं, लेकिन लोग पुलिस डेटा को अपडेट नहीं करते। फलस्वरूप पुलिस आंकड़ों में उनकी गुमशुदगी बनी रहती है। पुलिस का दावा है कि लापता लोगों को खोजने की दर में लगातार सुधार हो रहा है। साल 2016 में जो 23,409 लोग लापता हुए थे, उनमें से करीब 85 फीसदी नौ साल के भीतर मिल गए। साल 2025 में दर्ज मामलों में 63 फीसदी लोगों को भी एक साल के भीतर तलाश लिया गया। दलील है कि कई जटिल मामलों में तलाश का काम एक साल तक पूरा नहीं हो पाता। अन्य राज्यों में उनकी तलाश में समय लगता है। फिर भी पुलिस का दावा है कि दिल्ली के लापता लोगों की संख्या का आंकड़ा दुनिया के कई विकसित देशों से बेहतर स्थिति में है।

अक्षय तृतीया को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं

अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है

चिरंजीवी परशुराम विराट हैं। माना जाता है कि भगवान परशुराम श्सप्त ऋषियोंश में से एक हैं और उन्हें अमरत्व का वरदान प्राप्त है। वे आज भी पृथ्वी पर निवास करते हैं, इसीलिए उनकी पूजा से शक्ति और ज्ञान की प्राप्ति मानी जाती है।

सतयुग और त्रेतायुग का मेल को समझिए। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया से ही सतयुग और त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था। इसी दिन परशुराम जी का अवतरण हुआ, जो शस्त्र और शास्त्र दोनों के ज्ञाता माने जाते हैं।

आज अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। जैसा कि नाम से स्पष्ट है श्अक्षयश (जिसका कभी क्षय न हो), इस दिन किए गए दान, पुण्य और पूजा का फल अनंत होता है। आज के दिन कई जगहों पर शोभायात्राएं निकाली जाती हैं और मंदिरों में विशेष हवन–पूजन किए जाते हैं।चूंकि इस वर्ष अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती एक ही दिन (आज, 20 अप्रैल के करीब) हैं, तो यह दान–पुण्य और नई शुरुआत के लिए बहुत ही शुभ अवसर है।

अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती का यह संयोग वाकई बहुत खास है। धार्मिक दृष्टि से इस दिन को ष्अबूझ मुहूर्तष माना जाता है, यानी किसी भी शुभ कार्य को शुरू करने के लिए पंचांग देखने की जरूरत नहीं पड़ती। इस अवसर पर कुछ विशेष परंपराएं काफी प्रचलित हैं। कलश और जल दान की परंपरा है। गर्मी के मौसम की शुरुआत होने के कारण इस दिन पानी से भरे घड़े (कलश) का दान करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। सत्तू का भोग लगाया जाता है। भगवान परशुराम की पूजा में और इस दिन के भोजन में सत्तू और गुड़ का विशेष महत्व होता है।

स्वर्ण या वस्तु की खरीदारी की जाती है। कई लोग इस दिन सोना या नई वस्तुएं घर लाते हैं, यह मानते हुए कि इससे घर में लक्ष्मी का श्अक्षयश (कभी न खत्म होने वाला) निवास रहेगा।

लेखक विनय कांत मिश्र।/ दैनिक बुद्ध का संदेश

स्वच्छ भारत मिशन को रफ्तार देते इलेक्ट्रिक वाहन

दूसरा, शहरों को कचरा संग्रहण वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन लाने की चरणब) योजनाएं बनानी चाहिए। शहरी निकाय अपने मौजूदा वाहनों की आयु, ईंधन के प्रकार और दैनिक उपयोग के आधार पर विवरण तैयार करें और पुराने वाहनों को हटाने के क्रम में इ–वाहन लाने का लक्ष्य तय करें। चरणबद्ध योजनाएं वाहन खरीद को राष्ट्रीय – राज्यों के इलेक्ट्रिक–मोबिलिटी लक्ष्यों के साथ तालमेल लाने में ...

शहरों में कचरा ढुलाई में लगे डीजल–पेट्रोल व सीएनजी वाहनों की जगह विभिन्न चरणों में ई–वाहनों को लाना चाहिये। एक शोध के मुताबिक, इससे कचरा संग्रहण की घटती है। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के प्रभाव और व्यापक हो सकते हैं। पीएम ई–ड्राइव जैसी योजनाएं इसमें मददगार होंगी। बीते कुछ वर्षों में स्वच्छ भारत मिशन से शहरी स्वच्छता में क्रांतिकारी बदलाव आया है। देश के लगभग सभी शहरों में घरों के दरवाजे से कचरे का संग्रहण (डोर–टू–डोर वेस्ट कलेक्शन) अब एक सामान्य और नियमित व्यवस्था बन चुकी है। दूसरी तरफ, 'फेम' और हालिया घोषित 'पीएम ई–ड्राइव' जैसी योजनाएं भारत के 'क्लीन मोबिलिटी' के लक्ष्य को आगे बढ़ा रही हैं। कचरा संग्रहण वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन (पेट्रोलध डीजलध सीएनजी वाहनों की जगह इ–वाहनों का उपयोग) से, ये दोनों प्रमुख राष्ट्रीय प्राथमिकताएं परस्पर जुड़ सकती हैं। इससे कचरा संग्रहण वाहनों की परिचालन लागत घट सकती है व इन प्रदूषण–मुक्त वाहनों से स्वच्छ भारत मिशन के प्रभाव और व्यापक बनाये जा सकते हैं। भारतीय शहरों में सालाना करीब 1.4 से 1.6 लाख टन शहरी कचरा निकलता है। साल 2016 से 2024 के बीच, शहरी निकायों में कचरा संग्रहण में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। राष्ट्रीय स्तर पर इसका दायरा 44 प्रतिशत वार्डों से बढ़कर अब 97 प्रतिशत वार्डों तक पहुंच गया

है, जो लगभग पूर्ण–विस्तार के नजदीक है। इसी वजह से शहरी निकायों के वाहनों का बेड़ा देश में सबसे बड़े संगठित वाहन बेड़े में से एक बन गया है। हालांकि, देश में 70 प्रतिशत से अधिक कचरा 'जनगणना श्रेणी–1' के शहरों (1 लाख से अधिक आबादी) से निकलता है, जो सालाना 3–4 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के हालिया शोध के अनुसार, बढ़ती जनसंख्या और कचरे की मात्रा में वृद्धि को देखते हुए इन शहरों को 2030 तक डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण के लिए 80,000 नए वाहन चाहिये। शहरी कचरा प्रबंधन के लिए आवंटित कुल बजट का करीब आधा हिस्सा कचरा संग्रहण व ढुलाई पर खर्च होता है। इतने अधिक वित्तीय बोझ के अलावा डीजल या सीएनजी वाहनों से कचरा संग्रहण और ढुलाई का पर्यावरण पर असर पड़ता है। अमृतसर के उदाहरण के साथ सीईईडब्ल्यू का अध्ययन बताता है कि कचरा संग्रहण वाहनों का इलेक्ट्रिफिकेशन कितना लाभ दे सकता है। अभी अमृतसर में कचरा संग्रहण व ढुलाई में 200–220 चौपहिया डीजल वाहन इस्तेमाल होते हैं, जो रोजाना 400 टन से अधिक कचरे का प्रबंधन करते हैं। प्रतिदिन प्रति वाहन औसत उपयोग 15–20 किमी है। इस उपयोग स्तर पर इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन अपने पूरे जीवनकाल में मौजूदा वाहनों के मुकाबले 25–30 फीसदी किफायती साबित होंगे, जिससे नगर निगम का सालाना ईंधन खर्च 60–80 फीसदी कम होगा। भारतीय शहरों में आमतौर पर कचरा संग्रहण वाहन प्रतिदिन 15–55 किमी दूरी तय करते हैं, जिनमें तीन व चार पहिया वाहन शामिल हैं। प्रतिदिन प्रति वाहन 50–60 किमी अधिकतम उपयोग स्तर पर इ–तिपहिया वाहन सबसे किफायती विकल्प हैं, जबकि इलेक्ट्रिक चौपहिया वाहन डीजल व सीएनजी वाहनों के मुकाबले सस्ते पड़ते हैं। प्रत्येक इ–वाहन सालाना लगभग 83 किलोग्राम सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5) और आधा टन नाइट्रोजन ऑक्साइड का उत्सर्जन घटा सकता है। कचरा संग्रहण वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन का आधार काफी मजबूत है। चूंकि ये वाहन तय मार्गों पर चलते हैं और लौटकर डिपो में खड़े होते हैं, इसलिए इन्हें रात में चार्ज करना संभव है। इससे वाहनों की दूरी तय करने की चिंता खत्म होती है। लखनऊ, चेन्नई और इंदौर जैसे शहर कचरा संग्रहण के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल शुरू कर चुके हैं। इन सफलताओं को देश के सभी शहरों में लागू करने को एक सुनियोजित रोडमैप की जरूरत है। सबसे पहले, शहरी स्थानीय निकायों को पायलट प्रोजेक्ट्स के जरिए इ–वाहनों के प्रति भरोसे में लेना चाहिए। कचरा प्रबंधन में विशेष काम शामिल होते हैं, खास तौर पर गीले कचरे के प्रबंधन में। इसलिए, पायलट प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देना चाहिए, दूसरे शहरों के अनुभवों से सीखने के साथ–साथ शहरस्तरीय कार्यशालाएं आयोजित हों। इससे अधिकारियों और वाहन संचालकों को जमीनी स्थितियों में इ–वाहनों की क्षमता, चार्जिंग जरूरतों और रखरखाव को समझने में मदद मिल सकती है।

बेरोजगारी भी बढ़ा सकता है खाद्य पदार्थों का आयात

{ कपास का ही मामला लें। सितंबर और दिसंबर, 2025 के बीच कपास आयात पर 11 फीसदी शुल्क हटाने से सस्ते कपास की आमद हुई, जिससे घरेलू कीमतें गिर गईं। जहां कपड़ा उद्योग कम दाम से खुश था, वहीं किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। तीन महीनों में ही आयात 30 लाख गांठें बढ़ गया और भारतीय कपास का दाम 1,000 रुपये से 1,500 रुपये प्रति क्विंटल तक... }

ऐसे समय में जब घरेलू खेती पहले से ही संत्रास में है, किसानों को मंडियों में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी से 30 से 40 फीसदी कम दाम मिल रहे हैं, भारत के विशाल बाजार को सस्ते और बहुत ज़्यादा सब्सिडी वाले खेती उत्पादों के लिए और खोलने से खेती–बाड़ी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। शेक्सपियर के नाटकों में द्वंद्वात्मक कथानक की तरह, एक बड़ी दुविधा यह है कि किस पर विश्वास करें और किस पर नहीं। जहां एक ओर अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंस ने भारत के साथ एक बढ़िया व्यापार संधि –'अमेरिकी किसानों के लिए फायदेमंद है'– के लिए अपने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय वाणिज्य मिनिस्टर पीयूष गोयल ने भी अमेरिका के साथ 'ऐतिहासिक संधि' के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है और दोहराया है कि यह करते वक्त भारत के संवेदनशील कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को सुरक्षित रखा गया है। क्या यह दोनों लोकतंत्रों के लिए 'परस्पर जीत' वाली स्थिति है या यह जोर–जबरदस्ती और मनमानी का नतीजा है, इसकी पुष्टि तो विवरण से ही हो पाएगी। लेकिन जो बातें सार्वजनिक तौर पर चली हुई हैं, उन्होंने पहले ही देशभर की किसान यूनियनों की रीढ़ में सिहरन की लहर दौड़ा दी है। उनके पास ऐसी चिंता करने के लिए पर्याप्त कारण भी हैं। ऐसे समय में जब घरेलू खेती पहले से ही संत्रास में है, किसानों को मंडियों में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी से 30 से 40 फीसदी कम दाम मिल रहे हैं, भारत के विशाल बाजार को सस्ते और बहुत ज़्यादा सब्सिडी वाले खेती उत्पादों के लिए और खोलने से खेती–बाड़ी पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। अमेरिकी किसानों को पहले से ही हर साल भारी सब्सिडी मिलती है, जो कि तकरीबन 66,314 डॉलर प्रति किसान वार्षिक जितनी है (एग्रीकल्चरल रिसोर्स मैनेजमेंट सर्वे, 2020), यह उन्हें उतार–चढ़ावों से बचाती है। इसके अलावा, अमेरिकी प्रशासन वर्ष 2026 में फार्मर्स ब्रिज असिस्टेंस प्रोग्राम (एफबीए) के तहत किसानों को होने वाले प्रति एकड़ नुकसान की भरपाई हेतु 12 बिलियन डॉलर की मदद

उत्पाद भुगतान मद के तहत देने की योजना बना रहा है। ट्रंप ने इसको 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' का नाम दिया है। ऐसे में जब अमेरिका भारत व्यापार संधि के विवरण का अभी इंतजार है, अमेरिका और भारत, दोनों पक्ष बड़े–बड़े दावे कर रहे हैं। ब्रुक रोलिंस ने तो सोशल मीडिया पर यह तक कह डाला है कि इस समझौते से 'भारत के विशाल बाजार को अमेरिकी कृषि उत्पादों का अधिक निर्यात हो पाएगा, जिससे कीमतें ऊपर उठेंगी और ग्रामीण अमेरिका में अधिक नकदी आएगी'। यह कथन मोटे तौर पर व्यापार समझौते की शर्तों के मुताबिक है, जिसका जिक्र ट्विटर पर अपनी पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया था कि अमेरिका में आयात होने वाले भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 से घटाकर 18 परसेंट कर दी गई है और भारत में नॉन–टैरिफ बैरियर हटाने के अतिरिक्त अमेरिकी निर्यात पर आयात कर शून्य कर दिया गया जाएगा। इस बीच, भारत के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों को भरोसा दिला रहे हैं कि यह समझौता किसानों के हितों को 'सुरक्षित' रखने के बाद ही किया गया है। इन भरोसे के बावजूद, भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की खबर ने पहले ही किसान समुदाय को परेशान कर डाला है। भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए, जो कोई अन्य जानकारी देने से बच रही है, कई किसान नेताओं ने शक जताया है कि क्या किसानों के हितों की रक्षा में वास्तव में हुई है। संयुक्त किसान मोर्चा ने एक बयान में चेतावनी दी है कि आयात शुल्क शून्य होने से सस्ते आयातित उत्पादों की बाढ़ आ जाएगी, और इसलिए 12 फरवरी से नए विरोध प्रदर्शनों की धमकी दी है। किसान नेताओं का कहना है कि प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन 2020–21 के विरोध प्रदर्शनों की तर्ज पर होंगे। किसान समुदाय को इस बात का भी गुस्सा है कि बजट–2026 में कृषि आय को बढ़ाने के लिए जरूरी उपायों पर ज़्यादातर चुप्पी रही है, और पहले से ही संकट झेल रहे कृषि क्षेत्र की रक्षा के लिए लाल लकीर कहां खींची जाए, इस पर किसानों से कोई सलाह–मशविरा नहीं किया गया है। इसके अलावा, सबसे अमीर व्यापारिक समूह, ऑर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि भारतीय किसानों को 2000–01 और 2024–25 के बीच कुल मिलाकर 111 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, लिहाजा किसानों के लिए एक और बड़ा झटका सहना मुश्किल होगा। हिमाचल प्रदेश में सेब बागवान संघ के अध्यक्ष हरीश चौहान ने चेतावनी दी है 'यह असहाय किसान समुदाय पर बड़े हथौड़े की मार जैसा होगा'। उन्होंने डर जताया कि यूरोपियन यूनियन और न्यूजीलैंड के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते की वजह से सेब को जिस स्तर पर भारतीय बाजार में घुसपैठ मिल गई है, वह अभूतपूर्व है, जिसकी वजह से पहाड़ी राज्यों में सेब उद्योग को भय सता रहा है कि उसका अंत व्यवस्थात्मक ढंग से होने वाला है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी सेब को शून्य आयात शुल्क पर आने की इजाजत दी गई, तो पहाड़ी राज्यों की सेब आर्थिकी बर्बाद हो जाएगी। उधर, कपास, सोया और प्याज उगाने वाले किसान पहले से ही कुछ सालों से कम कीमतों से जूझ रहे हैं, और शून्य आयात शुल्क की वजह से बाजार में सस्ती आयातित उत्पाद आने से भारतीय किसानों के फसल के दाम और गिरने की आशंका है। यह स्थिति अंततः उन्हें खेती छोड़ने को मजबूर कर देगी। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति हर साल 500 बिलियन डॉलर मूल्य का अमेरिकन निर्यात होने की बात कह रहे हैं, जिसमें ऊर्जा, तकनीक, कोयला और खेती के अलावा दूसरे क्षेत्र शामिल हैं, कुछ विश्लेषकों का मानना है कि निर्यात का यह आंकड़ा शायद अगले 5 सालों का है यानी 100 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष होगा।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान ने जिला प्रशासन के साथ मनाया सतर्कता दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर।जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाहों की रोकथाम के लिए काम कर रहे संगठन भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान ने अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता दिवस मनाया। इसमें बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) व आशा यूनिटों ने भी सहयोग दिया और जिले में बाल विवाह की रोकथाम का संकल्प दोहराया। भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए स्कूलों, पंचायतों और गांवों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहा है और जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। संगठन खास तौर से बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील अक्षय तृतीया जैसे मौकों पर प्रशासन व सरकार के सहयोग से इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाता रहा है। भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। जिले में अब तक बाल विवाह के खिलाफ अभियान की सफलता पर संतोष जाहिर करते हुए भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान के निदेशक देवतादीन पाण्डेय ने कहा कि अक्षय तृतीया के शुभ दिन की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन व नागरिक समाज संगठनों की सतर्कता से अब अक्षय तृतीया के दिन होने वाले बाल विवाहों की संख्या में खासी कमी आई है लेकिन हमें इसे पूरी तरह रोकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चंद वर्षों पहले तक लोगों को यह भी नहीं पता था कि नाबालिग बच्चों की शादी बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुर्माना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज–सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुर्माना हो सकता है। लेकिन जमीन पर हमारे गहन जागरूकता अभियानों से जागरूकता बढ़ी है और हालात बदले हैं। अब लोग बाल विवाहों की सूचना दे रहे हैं और प्रशासन तुरंत इसकी रोकथाम के लिए कार्रवाई कर रहा है। यह एक उल्लेखनीय बदलाव है और हमें विश्वास है कि हम 2030 से पहले ही जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन 250 से भी ज्यादा सहयोगियों के साथ बाल विवाह की ऊंची दर वाले देश के 450 से भी ज्यादा जिलों में इस अपराध के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस नेटवर्क ने अब तक पांच लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं।

बलरामपुर में संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अम्बेडकर के सम्मान में संगोष्ठी आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के ज्योति टॉकीज कैंप कार्यालय में शनिवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सम्मान में "सम्मान अभियान 2026" के अंतर्गत विधानसभा स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि राहुल राज रस्तोगी ने कहा कि डॉ.अम्बेडकर के विचार आज भी समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने सामाजिक समरसता,समान अधिकार और शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया। रस्तोगी ने कहा कि "सम्मान अभियान 2026" का उद्देश्य बाबा साहब के विचारों को जन–जन तक पहुंचाना और समाज में जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर सदर विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री पलटू राम ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने देश को जो संविधान दिया,वह विश्व का सबसे सशक्त लोकतांत्रिक दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि हमें उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज में समानता और न्याय की स्थापना के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा,ब्लॉक प्रमुख बलरामपुर सदर गोविंद सोनकर,जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी एवं श्रीमती वंदना पासवान,वरिष्ठ नेता राजाराम गौतम,भाजपा नेता सूरज सोनकर,जिला महामंत्री अनुसूचित मोर्चा श्री मनोज कुमार आर्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा अमन कनौजिया,मंडल अध्यक्ष पांडव पासवान,प्रधान अमरेश पासवान,पूर्व प्रधान राम सरन सरोज,प्रधान बिन्देश्वरी शिल्पकार,पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद गौतम,संजय सोनकर,राजेश भारती एवं सोनू गौतम सहित अनुसूचित मोर्चा के अनेक कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। संगोष्ठी का समापन समाज में एकता,समानता और बाबा साहब के विचारों के प्रचार–प्रसार के संकल्प के साथ किया गया।

चेन्नई के कप्तान रुतुराज और टीम पर भड़के रविचंद्रन अश्विन

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना घ्है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच में फॉर्म में वापसी करने का एक शानदार मौका गंवा दिया। सनराइजर्स ने शनिवार को खेले गए मैच में सीएसके को 10 रन से हराया। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए जिसके जवाब में सीएसके आठ विकेट पर 184 रन ही बना पाया।अश्विन ने कहा कि गायकवाड दबाव में नजर आ रहे हैं। उन्होंने जिओस्टार से कहा, ''उनके लिए रन बनाने का यह सबसे अच्छा मौका था। आयुष म्हात्रे की अच्छी शुरुआत को देखते हुए उन्हें जोखिम लेने या तेज गति से रन बनाने की जरूरत नहीं थी। पावरप्ले में उनकी टीम पूरी तरह हावी थे। रुतुराज के पास क्रीज पर कुछ समय बिताने , कुछ रन बनाने और फॉर्म में वापसी करने का सुनहरा अवसर था।''अश्विन ने कहा, ''आयुष म्हात्रे का विकेट गिरने के बाद, रुतुराज को एक बहुत अच्छी गेंद मिली, वह पुल शॉट अच्छी तरह से खेलता है लेकिन मुझे लगता है कि वह बहुत दबाव में है और उसका दिमाग थोड़ा उलझन में है।'' रुतुराज ने आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपने पहले छह मैचों में केवल 82 रन बनाए हैं। उनका औसत मात्र 13.67 और स्ट्राइक रेट 112.33 है। आर अश्विन ने सुझाव दिया है कि अय्यर को भारत की टी20 टीम में होना चाहिए, चाहे यह स्पष्ट ना हो कि वह किसकी जगह लेंगे। अश्विन ने कहा, "मैं सिर्फ़ बनाए गए रनों या छक्कों–चौकों को नहीं देख रहा हूं, बल्कि मैदान पर उनकी मौजूदगी का प्रभाव देख रहा हूं।

जब श्रेयस अय्यर गार्ड मार्क करते हैं, तो लगता है कि वह एक ऐसे ज़ोन में हैं, जो किसी क्रिकेटर के करियर में सिर्फ़ एक या दो ही साल के लिए आता है और तब ऐसा लगता है कि आप कोई ग़लती नहीं कर रहे। "और यह इसलिए होता है क्योंकि आप ज़ोन में होते हैं। सब कुछ सही चल रहा होता है, मसलन कि आप क्या खा रहे हैं, कब सो रहे हैं, कैसे अभ्यास कर रहे हैं। नेट्स में जो गेंद खेलते हैं, वही मैच में भी आपको मिलती है।" अय्यर ने अपनी पिछली तीन पारियों में 50, नाबाद 69 और 66 बनाए हैं और इस समय आईपीएल 2026 में उनका स्ट्राइक रेट 187.96 है। अश्विन ने कहा, "क्रीज़ पर उनकी मौजूदगी ही गेंदबाजों के लिए कई तरह से डर पैदा कर रही है। खुद को बेहतर बनाने की उनकी भूख शानदार है। मैंने काफ़ी समय तक क्रिकेट खेला है और कई खिलाड़ियों से मिला हूं। बहुत कम खिलाड़ियों में यह इच्छा होती है कि वे अपनी ताक़त छोड़कर अपनी कमज़ोरियों पर काम करें। आपने कई करियर देखे होंगे, जहां खिलाड़ियों ने अपनी कमज़ोरियों पर बिल्कुल भी काम नहीं किया है। "लेकिन अपने कमज़ोरियों पर काम करने का सफ़र ही अच्छे से महान बनने का होता है। मुझे लगता है कि श्रेयस ने अच्छे से महान बनने की यात्रा शुरू कर दी है। मैं यह नहीं कह रहा कि वह महान हैं, बल्कि यह एक यात्रा है। कहा जाता था कि वह शॉर्ट बॉल नहीं खेल सकते। उन्होंने कहा, "ठीक है, मैं टेस्ट मैच में पुल खेलकर आउट हो जाऊंगा, लेकिन चुनौती से पीछे नहीं हटूंगा।"

देव एक गुन धनुष हमारे, नौ गुन परम पुनीत तुम्हारे..." के जयघोष से गूंजा बहराइच

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर जिले में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। श्री परशुराम मंदिर रमपुरवा में हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप दे दिया। मुख्य अतिथि श्री अलंकार अग्निहोत्री समेत अनेक विशिष्ट अतिथियों और विद्वानों की उपस्थिति में कार्यक्रम भव्यता के शिखर पर पहुंचा। पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार, सामूहिक पूजन, स्तुति और आरती के साथ श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य का जन्मोत्सव पूरे विधि–विधान से मनाया। सुबह 11 बजे मरी माता मंदिर से शुरू हुई विशाल शोभायात्रा जब रमपुरवा पहुंची तो पूरा क्षेत्र "जय परशुराम" के नारों से गूंज उठा। गाजे–बाजे, सजाए गए रथ और भक्तों की भारी भीड़ ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। जगह–जगह श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर स्वागत किया। हजारों की भीड़, दर्जनों संगठन एक मंच पर करीब पांच हजार भक्तों की मौजूदगी में श्री परशुराम सेना, अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद, विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद, सनातन ब्राह्मण समाज सेवा संस्थान और सवर्ण आर्मी सहित कई संगठनों ने एकजुटता का प्रदर्शन किया। वीरशाहपुर चौराहे पर आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने समाज के मुद्दों पर खुलकर आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि विप्र समाज के साथ हो रहे सामाजिक, आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न को अब और सहन नहीं किया जाएगा। अब समय आ गया है कि हम एकजुट होकर हर अन्याय का मुंहतोड़ जवाब दें। भक्ति, शक्ति और एकजुटता के इस महासंगम ने यह स्पष्ट कर दिया कि बहराइच में परशुराम जन्मोत्सव अब सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का बड़ा मंच बन चुका है।

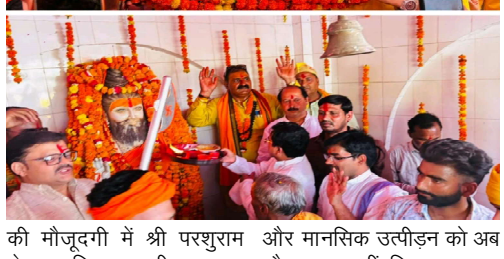

हार के बाद चेन्नई को तगड़ा झटका, अंडर 19 विजेता कप्तान हो सकता है बाहर

युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे का चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में आगे खेलना संदिग्ध है जो चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए करारा झटका है।

सीएसके के सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान 18 वर्षीय म्हात्रे की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में खेलने वाले म्हात्रे काफी असहज नजर आ रहे थे और उसके बाद वह लंबे समय तक क्रीज पर नहीं टिक पाए। सीएसके के बल्लेबाजी कोच माइक हसी ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''उसकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है। अभी मुझे नहीं पता कि चोट कितनी गंभीर है। हम कल या परसों उसका स्कैन करवाएंगे।''

ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि चोट की गंभीरता का आकलन करने के लिए म्हात्रे का स्कैन किया जाएगा और उन्हें ठीक होने में कितना समय लगेगा यह अभी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबरने में छह महीने तक का समय लग सकता है।

हसी ने कहा, ''दुर्भाग्य से स्थिति काफी खराब दिख रही है। उसका बाहर होना हमारे लिए बहुत बड़ा नुकसान होगा क्योंकि वह बहुत अच्छी फॉर्म में है।''म्हात्रे ने इस सत्र में अभी तक 177.87 के स्ट्राइक रेट से 201 रन बनाए हैं। हसी ने हालांकि कहा कि यह टीम के अन्य खिलाड़ियों के लिए मौका होगा।

उन्होंने कहा, ''वह एक प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी है, लेकिन इससे किसी और को मौका मिलेगा। इसलिए यह भी रोमांचक है। हमारे पास कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं जिन्हें अभी तक मौका नहीं मिल पाया है। इसलिए उनमें से किसी एक के लिए यह शानदार होगा।'' सीएसके फिलहाल छह मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पांच बार की चौंपियन टीम अपने अगले मैच में 23 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी।

शेयर बाजार में तेजी : मिडिल ईस्ट संकट घटने से निवेशकों के खिले चेहरे, जानें क्या रहा मार्केट का हाल

मीडिल ईस्ट से आ रही सकारात्मक खबरों से लगातार दूसरे हफ्ते भी भारतीय शेयर बाजार में तेजी दिखाई दी। इस हफ्ते सेंसेक्स में 943 अंक बढ़ा तो निफ्टी में भी 302 अंकों की तेजी दिखाई दी। इस सप्ताह निवेशकों की संपत्ति 14.40 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। जानिए मार्केट ट्रेड और निवेशकों के लिए कैसा रहेगा आने वाला सप्ताह।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 703 अंक टूटकर 76,848 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 208 अंक बढ़कर 23,842 पर जा पहुंचा। मंगलवार को अंबेडकर जयंती की वजह से शेयर बाजार बंद थे। बुधवार को सेंसेक्स 1264 अंक उछलकर 78111 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 389 अंक बढ़कर 24231 पर जा पहुंचा। गुरुवार को सेंसेक्स 122 अंक गिर गया जबकि निफ्टी 35 अंक गिरकर 24196 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी दिन सेंसेक्स 505 अंक बढ़कर 78500 के करीब जा पहुंचा। वहीं निफ्टी भी करीब 156 अंकों की रिकवरी के साथ 24,300 के पार पहुंच गया।

अमेरिका ईरान के बीच घटते तनाव के साथ ही इजराइल लेबनान के बीच सीजफायर ने निवेशकों में उत्साह का संचार किया। हार्मुज स्ट्रेट पर भले ही अमेरिका और ईरान में तनाव नजर आ रहा है लेकिन इसके जल्द ही खुलने की उम्मीद भी बंधी है। कच्चे तेल की कीमतों में कमी से भारतीय शेयर बाजारों में मजबूती आई। बाजार अब यह मानकर चल रहा है कि सीजफायर अब स्थायी हो जाएगा, इससे क्रूड की कीमतें स्थिर होंगी और भारत को बड़ी राहत मिलेगी। टीसीएस, एचडीएफसी बैंक के नतीजे भी सकारात्मक रहें।

पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच अगले हफ्ते शांति वार्ता का दूसरा दौर हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी डील फाइनल होने पर पाकिस्तान आने के संकेत दिए हैं। अगर वार्ता के सकारात्मक नतीजे निकलते हैं तो दुनियाभर के बाजारों में तेजी का दौर शुरू होगा। हार्मुज के रास्ते अगर तेल की आपूर्ति शुरू होने पर दुनियाभर के देशों को तेल संकट से भी राहत मिलेगी। हालांकि मिडिल ईस्ट में पूर्ण शांति होने तक अमेरिकी की नाकेबांदी जारी रहेगी। इससे बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है।

अस्वीकरण रू यह लेख केवल सूचना के उद्देश्य से है। यह कोई निवेश सलाह नहीं है। किसी भी निवेश से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श जरूर लें।

अमेरिका ने रूसी तेल पर दी बड़ी छूट, भारत के लिए क्या हैं मायने?

ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को तेल पर बड़ी राहत देते हुए सभी देशों को समुद्र में रूसी तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने की अनुमति दे दी। यह छूट लगभग एक महीने के लिए है। इस फैसले से भारत समेत सभी देशों को बड़ी राहत मिली है। दो दिन पहले ही ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने छूट देने से इनकार कर दिया था।

ट्रेजरी विभाग ने शुक्रवार देर रात अपनी वेबसाइट पर यह लाइसेंस जारी किया। इसमें कहा गया है कि 17 अप्रैल या उससे पहले समुद्र में लदे रूसी तेल पर लागू प्रतिबंध से छूट को अब 16 मई तक बढ़ा दिया गया है। इसका मतलब है कि जो तेल पहले से जहाजों में लोड हो चुका है, उसे वैश्विक बाजारों तक पहुंचने की अनुमति मिलेगी।

भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। रूस से आने वाला कच्चा तेल भारत के लिए सस्ता और सुलभ है। अमेरिका के इस फैसले से यह सुनिश्चित होगा कि समुद्र में पहले से मौजूद रूसी तेल की आपूर्ति बाधित नहीं होगी, जिससे भारत के रिफाइनरियों को कच्चा तेल मिलने में कोई रुकावट नहीं आएगी। अगर अमेरिका इस छूट को नहीं बढ़ाता, तो वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति कम हो जाती, जिससे कीमतों में भारी उछाल आने का डर था।

यह लाइसेंस वैश्विक ऊर्जा कीमतों को नियंत्रित करने के प्रशासन के प्रयासों का एक हिस्सा है। इसमें ईरान, क्यूबा और उत्तर कोरिया से जुड़े लेन–देन शामिल नहीं हैं। इसका मतलब है कि कोई भी देश रूस से तो तेल खरीदी कर सकेगा लेकिन 3 देशों को छूट नहीं मिलेगी।

बेसेंट ने पिछले महीने एक बयान में कहा था कि ईरानी छूट की वजह से लगभग 140 मिलियन बैरल तेल वैश्विक बाजारों तक पहुंच पाया और युद्ध के दौरान ऊर्जा आपूर्ति पर पड़े दबाव को कम करने में मदद मिली।

भगवान परशुराम जयंती पर ब्राह्मणों के एक जुटता पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद के पचपेड़वा विकास खंड अंतर्गत गुरुचिहवा समय माता पर

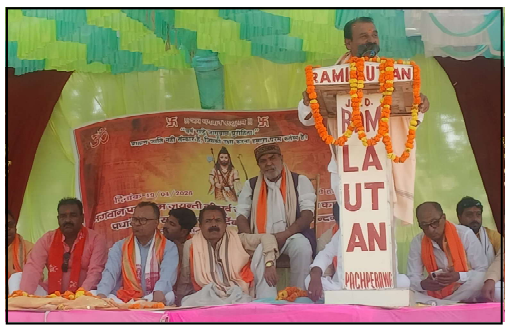

परशुराम जन्मोत्सव धूम धाम और पुष्प अर्पण,भव्य आरती के साथ मनाया गया।आयोजक द्वारा विप्र समाज को माला पहनाकर अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। ब्राह्मण समाज के कामेश्वर मिश्रा ने कहा कि हम सुधरेंगे तो समाज सुधरेगा,ब्राह्मण रहेगा तो ब्रह्मांड रहेगा। इसलिए ब्राह्मणों के आत्मसम्मान के लिए एकजुटता पर जोर दिया। पंडित राम कृपाल शुक्ल ने कहा कि ब्राह्मण हमेशा राष्ट्र की सोचता है,पूरे विश्व का कल्याण हो यही भावना के साथ जीवन जीता है।मंच पर मुख्य अतिथि विनय मिश्रा और अध्यक्षता राजेंद्र ओझा रहे।ब्लॉक प्रमुख मनोज तिवारी ने कहा कि ब्राह्मण समाज के लिए मै हमेशा से खड़ा रहा हूं,भगवान परशुराम मंदिर निर्माण हेतु एक लाख रुपए भेट करूंगा।विनय प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि ब्राह्मण कभी कमजोर नहीं होता,ब्राह्मण ने वेद दिया ,विज्ञान और ज्ञान दिया।शाश्वत मिश्रा,राधेश्याम मिश्रा,लोकतंत्र सेना रक्षक सेनानी ओम प्रकाश त्रिपाठी,दिलीप मिश्रा, आलोक पाठक,गिरजेश पांडेय,पप्पू मिश्रा सहित हजारों की संख्या में ब्राह्मण उपस्थित रहे। परशुराम जयंती पर मुख्य यजमान अरुणदेव पाठक ने सपत्नीक पूजा अर्चना किया।इस मौके पर वक्ताओं ने भगवान परशुराम के सिद्धांतों पर चलने के लिए ब्राह्मणों से निवेदन किया।कार्यक्रम समाप्ति पर ब्राह्मण समाज ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

भगवान परशुराम के शक्ति की क्षति नहीं होती–कैप्टन कृष्ण चन्द्र पाठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रविवार को हर्रैया तहसील क्षेत्र के केनौना चौराहे के निकट बहुजन समाज पार्टी

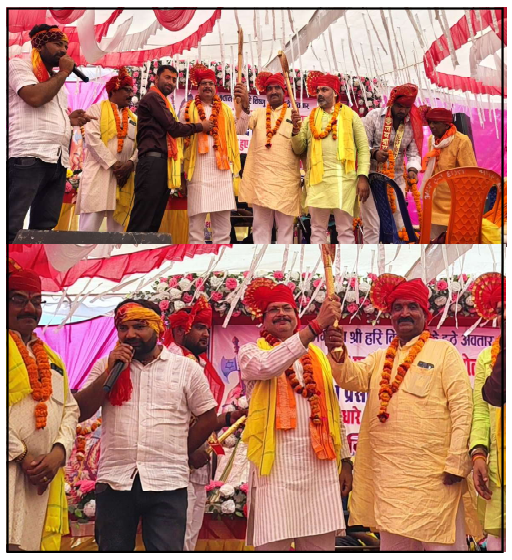

के भावी प्रत्याशी कैप्टन कृष्ण ष्ण चन्द्र पाठक ने कहा कि चन्द्र पाठक के संयोजन में भगवान परशुराम का जन्म 6धूमधाम से मनाई गई और विशाल भण्डारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कैप्टन कृ वैशाख मास की शुक्ल तृतीया को हुआ था। इस दिन अक्षय तृतीया भी मनाई जाती है। अक्षय तृतीया के दिन जन्म लेने के कारण भगवान परशुराम के शक्ति की क्षति नहीं होती । कहा कि परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार थे। भाजपा के पूर्व विधायक सी.ए. चन्द्र प्रकाश ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समाज के लिए काम करना चाहिए। भगवान परशुराम के पद चिह्नों में चलते हुए मांस–मदिरा व नशा से कोसों दूर रहें। समाज के लोगों से आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति गरीबों की मदद करे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दयाशंकर मिश्र, प्रवीण पाठक, रमेश कुमार शुक्ल के साथ ही बड़ी संख्या में संत समाज, स्थानीय नागरिक, समाजसेवी और विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी शामिल रहे। भजन कीर्तन ने मन मोह लिया।

बहराइच मेडिकल कॉलेज में धोखाधड़ी का आरोप, डॉ. को नोटिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां मेडिकल कॉलेज में कथित अनियमितता और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। मिली जानकारी के अनुसाररू प्रोफेसर डॉक्टर मिथलेश को नोटिस जारी किया गया है। मामले को लेकर लोक अदालत में 50 लाख रुपये का वाद दायर किया गया है। पीड़ित व्यक्ति मारपीट में बुरी तरह घायल हुआ था, जिसमें उसके हाथ की हड्डी टूट गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि डॉक्टर ने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से दो प्लेट (संभवतरू मेडिकल इम्प्लांट) मंगवाई। इनमें से एक प्लेट घायल मरीज को लगाई गई, जबकि दूसरी प्लेट कथित तौर पर किसी अन्य मरीज को लगा दी गई। इस पूरे मामले में संबंधित डॉक्टर से नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। अब यह देखना अहम होगा कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

नारी शक्ति वंदन या दिखावा? पयागपुर में दलित महिला नेतृत्व का अपमान!

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। पयागपुर ब्लॉक परिसर में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम' ने महिलाओं के सम्मान के नाम पर एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। मंच सजा, भाषण हुए, नारे लगे३ लेकिन हकीकत ने पूरे कार्यक्रम की पोल खोल दी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पयागपुर की प्रथम महिला ब्लॉक प्रमुख और दलित समाज की मजबूत आवाज गीता देवी की तस्वीर ही पोस्टरों से गायब कर दी गई। क्या यह सिर्फ "भूल" है... या फिर एक सोची–समझी अनदेखी? जब एक दलित महिला, जो खुद इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं, उन्हें ही 'नारी शक्ति' के पोस्टर से हटा दिया जाता है, तो यह साफ दिखाता है कि असली सम्मान नहीं, बल्कि सिर्फ दिखावा किया जा रहा है। यह घटना सीधे–सीधे उन लोगों की मानसिकता को उजागर करती है, जो मंच से महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं, लेकिन जमीन पर दलित और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को नजरअंदाज कर देते हैं। अब सवाल उठता हैकृ क्या यही है "नारी शक्ति" का सम्मान? क्या दलित महिलाओं की पहचान और योगदान को यूं ही मिटाया जाएगा? आखिर इस बड़ी चूक के लिए जिम्मेदार कौन है? स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश है। मांग उठ रही है कि जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो और सार्वजनिक रूप से जवाब दिया जाए। नारी सम्मान के नाम पर भेदभाव अब बर्दाश्त नहीं होगा।

जनपद में 242 ऐसे विद्यालय चिन्हित जिनमें 313 स्कूल वाहनों से संबंधित आवश्यक विवरण अब तक UPISVMP-COM पोर्टल पर नहीं किया गया अपडेट

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में संचालित विद्यालयों के वाहनों की सुरक्षा एवं वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एआरटीओ (प्रशासन) आर.सी. भारतीय द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने अवगत कराया है कि जनपद में कुल 242 ऐसे विद्यालय चिन्हित किए गए हैं, जिनमें संचालित 313 स्कूल वाहनों से संबंधित आवश्यक विवरण अब तक न्चैप्टडच्ब्ड पोर्टल पर अद्यतन नहीं किया गया है।एआरटीओ (प्रशासन) ने स्पष्ट किया कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा वाहन चालकों का पूर्ण विवरण, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, फिटनेस, बीमा तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों के साथ शपथ पत्र पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है।यह प्रक्रिया विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।इसके बावजूद संबंधित विद्यालयों द्वारा अपेक्षित कार्रवाई न किया जाना गंभीर लापरवाही की श्रेणी में आता है।इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी चिन्हित विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि वे दिनाँकः 19.04.2026 को अपने विद्यालय खुले रखें। साथ ही,अपने समस्त स्कूल वाहनों एवं उनके चालकों का पूर्ण विवरण तथा शपथ पत्र तत्काल न्चैप्टडच्ब्ड पोर्टल पर अपलोड करें।इसके अतिरिक्त, सभी विद्यालय अपने वाहनों को निर्धारित तिथि पर एआरटीओ कार्यालय,गोन्डा में प्रस्तुत कर उनका भौतिक निरीक्षण भी कराएं। निरीक्षण के दौरान वाहन की फिटनेस, सुरक्षा मानकों, परमिट एवं अन्य दस्तावेजों की जांच की जाएगी।एआरटीओ (प्रशासन) ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्देशों का अनुपालन न करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।जनपद के सभी विद्यालयों से अपील की जाती है कि वे विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए निर्देशों का तत्काल पालन सुनिश्चित करें।

घात लगाकर लाठी–डंडों व चाकू से वार बुजुर्ग घायल,आरोपी को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के खोड़ारे थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक बुजुर्ग पर जानलेवा हमले की सनसनीखेज

घटना सामने आई है।अल्लीपुर नरहरपुर गांव निवासी राजेश चतुर्वेदी पर उस समय हमला किया गया,जब वह मसकनवा बाजार से अपना काम निपटाकर घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि दौलतपुर ग्रांट प्राथमिक पाठशाला के पास पहले से घात लगाए बैठे आरोपी अहमद और उसके साथियों ने राजेश की मोटरसाइकिल रोक ली।इसके बाद उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की गई और विरोध करने पर लाठी–डंडों व धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया गया।हमले में राजेश चतुर्वेदी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको गंभीर चोट आई है, जबकि शरीर पर कई चोटों के निशान भी हैं।पीड़ित ने आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान हमलावर उनकी सोने की अंगूठी भी छीन ले गए।घायल को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उनका इलाज जारी है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई।थाना अध्यक्ष कृष्ण गोपाल राय ने बताया कि आरोपी अहमद के खिलाफ जानलेवा हमले सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण भी कराया है और मामले की जांच जारी है।इस वारदात के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

गोण्डा के जादूगर मिस्टर इंडिया को राष्ट्रीय सम्मान इलाके में खुसी की लहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। सामाजिक संगठन एकता फाउंडेशन द्वारा डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जयंती 2026 के अवसर पर आयोजित "बाबासाहेब आंबेडकर नेशनल अवार्ड 2026" के लिए जनपद गोण्डा के विकास खण्ड परसपुर अंतर्गत ग्राम सीरपुरवा हरदिहा सपौर निवासी अंतर्राष्ट्रीय जादूगर मिस्टर इंडिया का चयन किया गया है। इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इस पहल का उद्देश्य समाज में न्याय, समानता और सामाजिक परिवर्तन के मूल्यों को बढ़ावा देना है। संस्था द्वारा चलाए जा रहे "हर घर संविधान, घर–घर संविधान" एवं "संविधान जागरूकता और महान नेताओं का जनजागरूकता अभियान" के तहत लोगों को देश के संविधान, शिक्षा, रोजगार और मौलिक अधिकारों के प्रति

जागरूक किया जा रहा है। संस्था का संदेश हैकृ "हम आपके हाथों में किसी पार्टी का झंडा नहीं, बल्कि देश का संविधान देंगे।" फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जय संजय रामटेके ने बताया कि यह राष्ट्रीय पुरस्कार उन व्यक्तियों और संगठनों को समर्पित है, जो समाज में समावेशी विकास, समानता और सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल भारत के संविधान निर्माता डॉ. बी. आर. आंबेडकर के विचारों से प्रेरित है। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर चेयरमैन वासुदेव सिंह,मण्डल अध्यक्ष वंश बहादुर सिंह, इंद्रप्रकाश शुक्ला,पूर्व मण्डल अध्यक्ष डॉ एस पी सिंह, रविशंकर सिंह(पवन),अजय शुक्ला,शिक्षक ज्ञानू सिंह,बृजेश सिंह,शिक्षक रामकुमार पाण्डेय सहित अन्य तमाम क्षेत्रीयजनो ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

स्वाभिमान सोमनाथ पर्व यात्रा की गाड़ी को एडीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। उत्तर प्रदेश शासन एवं डीएम गोन्डा श्रीमती प्रियंका निरंजन के निर्देशानुसार जनपद में "स्वाभिमान सोमनाथ पर्व" यात्रा के शुभ अवसर पर विभिन्न प्रमुख शिव मंदिरों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जा रहा है।इस क्रम में बाबा दुःख हरण नाथ महादेव मंदिर (शहर गोण्डा), बंगध महादेव शिव मंदिर (मनकापुर), बाबा बालेश्वर नाथ महादेव मंदिर (तरबगंज) तथा बाबा बरखण्डी नाथ महादेव मंदिर (करनैलगंज) सहित अन्य शिवालयों में भजन संध्या, रुद्राभिषेक, महाआरती, प्रवचन एवं दीपोत्सव जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं में आध्यात्मिक चेतना एवं सांस्कृतिक गौरव को प्रोत्साहित किया जा रहा है।इसी क्रम में जनपद के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से 10 सदस्यों का चयन कर उन्हें "स्वाभिमान सोमनाथ पर्व" यात्रा हेतु भेजा गया है। चयनित प्रतिभागियों में सुनीता निषाद (भट्ठा परेड सरकार, गोण्डा), उमेश प्रताप (भगहरिया पूरे मितई, कटरा बाजार), किरन कश्यप (भट्ठा परेड सरकार), निखिल मिश्रा (गरीबाजोत, गोण्डा), रवी कुमार (बनगाई, गोण्डा), रजनीकांत तिवारी (कौड़िया बाजार), लक्ष्मीधर (महादेवा, झंझरी), सुरेंद्र कुमार (मंगल पाण्डेय, भैरमपुर), पवन कुमार सिंह (मोहम्मदपुर गढ़वार, करनैलगंज) तथा राजकमल पाण्डेय (पंडित पुरवा कानूनगो,गोन्डा) शामिल हैं।इन सभी प्रतिभागियों के साथ महेंद्र कुमार मिश्रा,खादी ग्रामोद्योग अधिकारी,गोन्डा को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है,जो यात्रा के दौरान समन्वय एवं व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रातः लगभग 7रू00 बजे अपर जिलाधिकारी के नागरिकों को धार्मिक आस्था

आलोक कुमार द्वारा हरी झण्डी दिखाकर इस दल को रवाना किया गया। प्रशासन द्वारा यात्रा के सफल संचालन हेतु समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।इस पहल का उद्देश्य जनपद से जोड़ते हुए सांस्कृतिक धरोहर के प्रति जागरूक करना तथा स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को इस प्रकार के आयोजनों में सहभागिता का अवसर प्रदान करना है।

परशुराम जन्मोत्सव में उमड़ा जनसैलाब, "भगवान परशुराम न्याय के देवता" : बृज भूषण शरण सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर अक्षय तृतीया के दिन पयागपुर में सवर्ण आर्मी द्वारा भव्य परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जूनियर हाई स्कूल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। चिलचिलाती गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा और पूरा पंडाल "जय परशुराम" के नारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सवर्ण आर्मी चीफ सर्वेश पांडेय ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह मौजूद रहे । अपने संबोधन में उन्होंने भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का अवतार बताते हुए कहा कि वे कमजोरों के उद्धारक और न्याय के प्रतीक हैं। उन्होंने परशुराम को लेकर फैली भ्रांतियों का खंडन किया और वर्तमान नीतियों पर भी परोक्ष रूप से टिप्पणी की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिक्षाविद और विचारक अरुण प्रकाश पांडेय ने कहा कि भगवान परशुराम चिरंजीवी हैं और समाज में अन्याय के विरुद्ध शस्त्र उठाने वाले देवता के रूप में पूजनीय हैं। उन्होंने कहा कि परशुराम ने सदैव दुष्टों का संहार और सज्जनों की रक्षा कर सामाजिक संतुलन

बनाए रखा। सवर्ण आर्मी प्रमुख सर्वेश पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन देशभर में सवर्ण समाज के सम्मान और अधिकारों के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज को एकजुट करना और जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री शिवम सिंह, ब्लॉक प्रमुख समय प्रसाद मिश्रा, राकेश पांडेय और अजीत प्रताप सिंह समेत कई जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई, जहां पुरोहितों द्वारा भगवान परशुराम के चित्र का पूजन किया गया और सामूहिक शंखनाद के साथ आयोजन का शुभारंभ हुआ। संचालन विनय मिश्रा ने किया। इस दौरान परमित शुक्ला, गुड्डू त्रिपाठी, डॉ. विकास शुक्ला, निरंकार सिंह, शिवा मिश्रा और सचिन त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में वॉलिंटियर कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे रहे।

बहराइच पुलिस का एक्शन मोड : एएसपी (नगर) आयुष विक्रम सिंह का औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम

सिंह ने कोतवाली नगर, कोतवाली देहात एवं थाना दरगाह शरीफ का औचक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, अभिलेखों का रख–रखाव, डच्यूटी/आगंतुक/अपराध रजिस्टर, मालखाना, हवालात और महिला हेल्प डेस्क की गहन जांच की गई। रिकॉर्ड अपडेट की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित विवेचनाओं को जल्द से जल्द निपटाने के सख्त निर्देश दिए गए। एएसपी ने थाना परिसरों की साफ–सफाई, पुलिस बल की उपस्थिति, बीट प्रणाली और गश्त व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में प्रभावी पेट्रोलिंग होनी चाहिए और अपराधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए। महिला अपराधों पर विशेष फोकस देते हुए निर्देश दिया गया कि ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही सभी पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि जनसुनवाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें, ताकि कानून–व्यवस्था मजबूत बनी रहे।

खलिहान एवं घर में लगी आग,घर गृहस्थी का सामान जलकर हुआ खाक'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के बेलछ ग्राम पंचायत के अकेलवा टोला में दोपहर 1 बजे के लगभग गंगाराम पुत्र स्व. बुध्दिराम भूईहार के खलिहान और कच्चे मकान की झोपड़ी में अकस्मात् आग लगने से धूं – धूं कर जलने लगा।ग्रामीणों द्वारा डायल पीआरबी 112 पुलिस सूचना दी गई।आग बुझाने का ग्रामीणों ने भरपूर प्रयास किया लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका जिससे खलिहान में रखा अरहर,चना आदि अनाज समेत पूरा घर –झोपड़ी भयंकर आग की लपटो से घिर गया और घर में रखा गृहस्थी का सारा सामान जलकर खाक हो गया।आग की लपटों ने घर के अंदर रखा गेंहू, चावल, चना, अरहर, कपडा के साथ ही साथ झोपड़ी जलकर खाक हो गया।सूचना पाकर इलाका लेखपाल भी मौके पर पहुंच गए। आगलगी की इस घटना से पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने के लिए विवश है। इस सम्बंध में प्रबुद्ध ग्रामीणों ने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलवाये जाने की मांग की है।

आरोग्य मेला में पीएचसी खलियारी पर 41 मरीजों को जांच कर दी गई दवा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नगवां ब्लाक क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खलियारी पर रविवार को बीपी,एच बी, एचआईवी का जांच कर उन्हें आईरन, कैल्शियम ,फोलिक एसिड

सीएम आरोग्य मेला में कुल 41 मरीजों को दवा वितरण किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खलियारी के फार्मासिस्ट अनूप कुमार ने बताया कि मेला में कुल 41 मरीजों को दवा वितरण किया गया है, जिसमें अधिकांश मरीज बुखार, खांशी,सुगर से सम्बंधित मरीजों का इलाज किया गया है। गर्भवती महिलाओं की जांच कर रही एएनएम सरस्वती देवी ने बताया कि हमारे यहां कुल 8 महिलाओं का वजन, दवा दी गई। दोमहिला का डिलेवरी भी हुआ है मेला में लैब टैक्नीशियन पवन कुमार मरीजों को जांच कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि 8 मरीजों का जॉच किया गया जिसमें, हिमोग्लोबिन, मलेरिया, टाईफाइड, शुगर का जॉच किया गया जिसमें कोई पॉजिटिव नहीं पाया गया है। मेला में सीएचओ सुनीता यादव , फार्मासिस्ट अनूप कुमार मरीजों को दवा वितरण किया गया।।

राहुल गांधी की तस्वीर पर कालिख का मामला गरमाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रविवार को हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तस्वीर पर कालिख पोतने और चप्पल मारने की घटना को लेकर जिले में सियासत तेज

हो गई है। कांग्रेस ने इस घटना को लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ बताते हुए कड़ा विरोध जताया है। जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पहुंचकर लिखित तहरीर दी और दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की। शिकायत पत्र महिला कांग्रेस की अध्यक्षा ऊषा चौबे के लेटरहेड पर सौंपा गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामराज गोंड ने कहा कि इस तरह की ओछी राजनीति को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो 22 अप्रैल को पूरे जिले में विरोध स्वरूप 'शवयात्रा' निकालकर प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने इसे लोकतंत्र और राजनीतिक मर्यादा पर सीधा हमला बताया। जिला उपाध्यक्ष संगीता श्रीवास्तव ने भी घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की हरकत समाज में गलत संदेश देती है। इस मौके पर शहर अध्यक्ष हाजी फरीद, प्रदेश सचिव जितेंद्र कुमार पासवान, पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सेतराम केशरी, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष शशांक मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

म्योरपुर में विद्युत आपूर्ति बेपटरी, उपभोक्ताओं में आक्रोश,पुराना रोस्टर लागू करने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश है। अघोषित कटौती, लो–वोल्टेज और बार–बार होने वाले फॉल्ट के कारण लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रजनीश तिवारी, अमित विश्वकर्मा, इरफान खान, राजू केशरी, कुंदन तिवारी और रंजीत जायसवाल सहित कई उपभोक्ताओं ने बताया कि विभाग द्वारा लागू किए गए रोस्टर के अनुसार भी बिजली नहीं मिल रही है। वर्तमान में दोपहर 11रू45 बजे से 2रू45 बजे तक कटौती निर्धारित है, लेकिन इस अवधि में भी नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही है।उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले का रोस्टर, जो सुबह 7 बजे से 11 बजे तक था, अधिक सुविधाजनक था और उस दौरान बेहतर आपूर्ति मिलती थी। भीषण गर्मी को देखते हुए उपभोक्ताओं ने नए रोस्टर को समाप्त कर पुराने रोस्टर को फिर से लागू करने की मांग की है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली काट दी जाती है, जिससे घरेलू कामकाज, बच्चों की पढ़ाई और छोटे व्यापार प्रभावित हो रहे हैं। लो–वोल्टेज की समस्या के कारण पंखे, कूलर और अन्य उपकरण भी ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। उपभोक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं किया गया और रोस्टर के अनुसार नियमित आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।इस संबंध में अवर अभियंता विनय बिंद ने बताया कि विद्युत आपूर्ति रोस्टर के हिसाब से की जा रही है। उन्होंने कहा कि सुबह 6:30 बजे से 9:30 बजे तक और दोपहर 11:45 बजे से 2:45 बजे तक रोस्टर के अनुसार कटौती रहेगी। यह रोस्टर ऊपर से मिले निर्देशों के आधार पर लागू किया जाता है। बिंद ने यह भी बताया कि आंधी–पानी के कारण कभी–कभी फॉल्ट की समस्या आती है, जिसे ठीक कर लिया जाता है।

केवाल में ब्राह्मण समाज ने धूम धाम से मनाई भगवान परशुराम की जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

कोन/सोनभद्र। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा कोन द्वारा रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर के कोन थाना क्षेत्र के केवाल गाँव में भगवान परशुराम की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम की प्रतिमा के विधि–विधान से गंगाजल द्वारा अभिषेक के साथ हुई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने भगवान को अंग वस्त्र, यज्ञोपवीत, तिलक चंदन अर्पित कर माल्यार्पण

किया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन–पूजन संपन्न हुआ, जिससे पूरे मंदिर परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।हवन और पूजा–अर्चना के उपरांत आरती की गई, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। आरती के बाद सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भगवान परशुराम के आदर्शों और उनके जीवन चरित्र पर भी प्रकाश डाला गया, जिससे लोगों को धर्म, साहस और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिली। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी (पूर्व पुलिस क्षेत्राधिकारी) ने कहा कि अक्षय तृतीया को भगवान विष्णु जी के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव है। यह दिन ज्ञान, साहस और अन्याय के अंत का प्रतीक है। भगवान परशुराम को चिरंजीवी (अमर) माना जाता है, जिन्होंने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना की थी।इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के उपाध्यक्ष शशांक मिश्रा, सुशील चतुर्वेदी, अजय चतुर्वेदी, अनुपम त्रिपाठी ,सतीश तिवारी, विद्यानंद तिवारी, वाचस्पति त्रिपाठी , संजय चतुर्वेदी, संदीप, कृपानंद तिवारी, अमरेश पाण्डेय, दिलीप त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी हृदय निवास पाण्डेय साहित तमाम ब्राह्मण बंधु उपस्थित रहे।सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया और धार्मिक आयोजन की गरिमा को बढ़ाया।

रेणुकूट में धूमधाम से मनाया गया परशुराम जन्मोत्सव , समाज एकजुटता पर दिया गया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में रविवार शाम भगवान् परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में काव्यार्चन का आयोजन करारी शहीद स्थल पर किया गया। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि शिवदास चंदौली, मुख्य अतिथि अजय चतुर्वेदी कक्का व विशिष्ट अतिथि गण दिवाकर दिवेदी मेघ व कौशल्या कुमारी चौहान शिक्षक ने मंत्रोच्चारण के बीच भगवान् परशुराम व मां शारदे तथा अमरध् शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण दीपदान कर विधिवत् आयोजन का शुभारंभ किया। वाणी वंदना करते हुए सोन संगीत फाउंडेशन के सुशील मिश्रा ने जगमग जोत जरादा जननी सबके रहिया दिखा दा हो सस्वर सुनाकर सबको आनंदित किये। ओज की कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने दुष्टों का कर दूंगी नाश मैं दुर्गा भवानी हूँ सुनाकर वाहवाही लूटी। सफल संचालन कर रहे अशोक तिवारी एडवोकेट ने, अंधकार का नाश करो जनजन का संत्रास हरो राम परशु लेकर आओ धर्म ध्वजा आकाश करो सुनाकर महफिल लूट लिया। मुख्य अतिथि अजय चतुर्वेदी कक्का ने ,मेरे पूर्वज संस्कृति पर जो भी हमला बोलेगा, उनको सबक सिखायेंगे हम मौन नहीं रह सकते हैं सुनाकर समसामयिक अभिव्यक्ति से गंभीर चिंतन दिये सराहे गये। दिवाकर दिवेदी मेघ ने भगवान् परशुराम काव्यार्चन करते हुए, शक्ति साहस शौर्य सेवा सत्य शिव व्यवहार दे, लेकर फरशा परशु अपना मनुजता को धार दे तथा आदमी अब कितना रह गया है आदमी सुनाकर गतिज उर्जा संचरण किये। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट आयोजक ने , परशुराम के वंशज हो तो राह पर उनके चलना सीख, सदा आचरण हेतु मनुजता , जाग पर उनके रहना सीख सुनाकर लोगों को सोचने पर विवस किया। विवेक चतुर्वेदी ने शायरी सुनाकर वाहवाही देर तक लूटते रहे। धर्मेश चौहान एडवोकेट ने देश वंदना कर काव्यार्चन को सफल बनाये। दयानंद दयालू अनमोल मणि ऋषभ त्रिपाठी अशोक तिवारी लेखपाल, सुनील तिवारी वरिष्ठ पत्रकार विजय विनीत सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम दिलीप सिंह दीपक ने हास्य व्यंग्य ओज श्रृंगार छंद गीत गजल लोक भाषा की अनेकों रचना सुना कर लोगों को उत्साह से भर दिया। अंत में अध्यक्षता करते हुए चंदौली से पधारे वरिष्ठ कवि शिवदास ने लहर रहा है गगनांगन में गौरव का अभिमान तिरंगा मांग रहा बलिदान सुनाकर राष्ट्र वंदन से आयोजन को पूर्ण किया। सभी कवियों का सारस्वत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, ठाकुर कुशवाहा, पुरुषोत्तम कुशवाहा, बलिराम, शिवमोचन, मृत्युंजय, आद्या, अंशिका, बृज किशोर देव, नीरज तिवारी, प्रधान संगीता तिवारी, त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, धनंजय, फारुख अली हाश्मी आदि मौजूद रहे।

छात्रों का अध्ययन टीम पहुंचा अहीरबुढ़वा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। वाराणसी के छात्रों के अध्ययन का दूसरा दिन दक्षिणांचल में बनवासी सेवा आश्रम के सहयोग से रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य,जैविक खेती, स्वरोजगार ,पर्यावरण, पेय जल के अध्ययन। के लिए वाराणसी से आए छात्रों ने दूसरे दिन म्योरपुर ब्लॉक के छत्तीसगढ़ सीमा से सटे अहीर बुढ़वा ग्राम पंचायत में बांस कारीगरों और सांगोबांध में मिट्टी वर्तन बनाने वाले कारीगरों से मुलाकात कर स्वरोजगार और उसमें आने वाली अड़चनें की

जानकारी ली।बांस कारीगरों ने बताया कि जंगल से बांस विलुप्त हो गए जिससे बांस खरीद कर वस्तुएं बनाते है जो महंगी पड़ती है किसी तरह गुजारा हो पाता है।बाजार की भी यही समस्या है। मिट्टी कारीगरों के सामने भी समस्याएं है खास कर बाजार की समस्या से कुम्हारी रोजगार दम तोड़ रहा है। छात्रों ने किसानों की उपज और लागत,की जानकारी ली इसके पूर्व छात्रों की टीम ने कुसम्हा में आओ खोजे अपनी सरकार,और नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति देखी और उसकी सराहना की, साथ की क्रिकेट एकेडमी के छात्रों के साथ क्रिकेट मैच खेला, फरीपान में महिलाओं द्वारा दाल,सवा, की उपज और उससे मिलने वाले रोजगार, के बारे में समूह की महिलाओं के साथ चर्चा की। मौके पर शुभा प्रेम, पंकज तिवारी,प्रभा, देव नाथ सिंह,सुरेश,मुलायम, रमेश यादव, बेचन, आदि उपस्थित रहे।

रेणुकूट–शक्तिनगर मार्ग पर दो बड़े हादसे, बाल–बाल बचे चालक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रेणुकूट–शक्तिनगर मार्ग पर रविवार को एक ही दिन में दो बड़े सड़क हादसों ने इस खतरनाक मार्ग की हकीकत एक बार फिर उजागर कर दी। थाना पिपरी क्षेत्र के अंतर्गत वन देवी और

गढ़ा बैरियर के बीच हुए भीषण टक्कर में तीन वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, वहीं कुछ घंटों बाद रिहंद पुल के पास एक ओवरलोड ट्रेलर पलट गया। गनीमत रही कि दोनों घटनाओं में किसी की जान नहीं गई, लेकिन हादसों की भयावहता ने राहगीरों और स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया।पहला हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रक सड़क किनारे खड़ी थी और दूसरी ट्रक रेणुकूट की ओर आ रही थी। इसी दौरान एक तीसरा ट्रेलर दूसरी ट्रक को ओवरटेक करने लगा, तभी सामने से एक वाहन आ गया। अचानक स्थिति बिगड़ने पर ट्रेलर चालक ने गाड़ी दूसरी ओर काट दी, जिससे वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गया और दोनों वाहनों के बीच फंस गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, तीनों वाहनों के चालक और खलासी बाल–बाल बच निकले। दूसरी घटना रिहंद पुल के पास हुई, जहां राखड़ लेकर चंदौली जा रहा एक ओवरलोड ट्रेलर तीव्र मोड़ पर संतुलन खो बैठा और पलट गया। बताया जा रहा है कि सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन को रास्ता देने के प्रयास में चालक ने गाड़ी काटी, लेकिन अधिक लोड होने के कारण ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में भी चालक को मामूली चोटें आईं। घटनाओं के बाद पिपरी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए यातायात को बाधित नहीं होने दिया और जल्द ही मार्ग को बहाल करा दिया।

केन्द्रीय ब्राह्मण महासभा, सोनभद्र ने मनायी परशुराम जयन्ती– संजय मिश्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। केन्द्रीय ब्राह्मण महासभा, सोनभद्र कार्यालय–बभनौली कालोनी, नियर चण्डी तिराहा, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र (उ0प्र0) अध्यक्ष संजय मिश्रा कि अगुवाई में परशुराम जयंती का कार्यक्रम हुआ सम्पन। गौरतलब है कि रविवार को हर्षोल्लास के साथ परशुराम जयंती मनाई गयी। यह वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया) को भगवान विष्णु के छठे अवतार के जन्म के रूप में मनाई जाती है। भगवान परशुराम को न्याय, साहस और धर्म का प्रतीक माना जाता है, जिनका जन्म ऋषि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। परशुराम जयंती की मुख्य बातेंरू चिरंजीवी अवताररू पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान परशुराम आठ चिरंजीवियों (अमर) में से एक हैं और कलियुग के अंत तक जीवित रहेंगे। महत्वरू इस दिन भगवान शिव से प्राप्त श्फरसाश (कुल्हाड़ी) धारण करने वाले परशुराम जी की पूजा की जाती है, जिससे जीवन में आत्म विश्वास और साहस बढ़ता है। उनके पराक्रम और शिक्षाओं का स्मरण किया जाता है। अक्षय तृतीया का संयोगरू यह पावन दिन अक्षय तृतीया के साथ पड़ता है, जो नई शुरुआत और दान–पुण्य के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। हवन पूजन कर केन्द्रीय ब्राह्मण महासभा, सोनभद्र कार्यालय– बभनौली कालोनी, नियर चण्डी तिराहा, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र (उ0प्र0) पर मनाया गया। इस मोके पर गजेंद्र दीक्षित, संदीप मिश्रा, मोहर देव पाण्डेय, विवेक कुमार पाण्डेय, रवि तिवारी, विमलेश कुमार तिवारी, संगम पाण्डेय, आलोक पति तिवारी, एस.एन. दुबे, राजू दुबे, अजय दुबे, वैभव दीक्षित, चंद्रकांत मिश्रा, रवि पाण्डेय, अमित शुक्ला, विक्की पाठक, शैलेन्द्र मिश्रा, सुनील चौबे, मुनि महेश शुक्ल, शिव प्रकाश पाण्डेय, तारा, पंकज देव पाण्डेय, सोनभद्र बार असोसिएशन सोनभद्र संयुक्त सचिव (प्रकाशन) विवेक कुमार पाण्डेय, आलोक पाण्डेय, प्रफुल्ल तिवारी आदि सेंकड़ों लोग उपस्थित थे।

रेणुकूट में धूमधाम से मनाया गया परशुराम जन्मोत्सव , समाज एकजुटता पर दिया गया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रेणुकूट नगर के मुर्धवा क्षेत्र में रविवार को राष्ट्रीय परशुराम परिषद के तत्वावधान में भगवान परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि समाजसेवी मनोज पांडेय और राजकीय इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य राजनारायण मिश्र द्वारा भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मनोज पांडेय ने कहा कि भगवान परशुराम न्याय, साहस और धर्म के प्रतीक हैं। उनके जीवन से हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने और समाज में समरसता बनाए रखने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में उनके आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। वहीं पूर्व प्रधानाचार्य राजनारायण मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम केवल एक योद्धा ही नहीं, बल्कि एक महान तपस्वी और विद्वान भी थे। उन्होंने समाज को शिक्षा और संस्कार का महत्व समझाया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने सांस्कृतिक मूल्यों को पहचानें और उन्हें आगे बढ़ाएं। डॉ. आशुतोष दत्त त्रिपाठी ने कहा कि परशुराम जन्मोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का एक माध्यम है। ऐसे कार्यक्रमों से समाज में भाईचारा और एकता मजबूत होती है। वहीं विजय नाथ पांडे ने कहा कि हमें अपने इतिहास और परंपराओं पर गर्व करना चाहिए और नई पीढ़ी को इससे जोड़ना चाहिए। कार्यक्रम के आयोजक उमेश ओझा ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिषद का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना और सांस्कृतिक विरासत को संजोना है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगे भी ऐसे आयोजन निरंतर होते रहेंगे। इस अवसर पर पं. दीपकृष्ण महाराज, देवेंद्र शुक्ला, पंकज मिश्रा, मनीष मिश्रा, रविंद्र पांडेय, अजय तिवारी, संदीप तिवारी, मनोज तिवारी समेत बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे। संचालन मस्तराम मिश्रा ने किया,कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

23 साल उम्र में नौकरी कर रहे अक्षय कुमार के बेटे आरव, सैलरी सुन चौंक जाएंगे

बॉलीवुड में जहां एक ओर श्नेपोटिज्मश और स्टार किड्स के डेब्यू को लेकर बहस छिड़ी रहती है, वहीं अक्षय कुमार के बेटे आरव भाटिया ने एक बिल्कुल अलग और सादगी भरा रास्ता चुनकर सबको हैरान कर दिया है। जहां फैंस आरव को बड़े पर्दे पर देखने का इंतज़ार कर रहे थे, वहीं अक्षय ने साफ कर दिया है कि उनके बेटे का फिल्मों में आने का कोई इरादा नहीं है।

हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान अक्षय कुमार ने अपने बेटे के भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की। अक्षय ने बताया कि आरव स्वभाव में बिल्कुल उनके जैसा हैकृअनुशासित और अपनी सेहत के प्रति जागरूक। लेकिन करियर के मामले में आरव ने अपने पिता से अलग राह चुनी है।

अक्षय ने कहा, आरव को फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है। वह फैशन की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहता है। ताज्जुब की बात यह है कि वह आज भी 4500 रुपए की नौकरी कर रहा है और जमीन से जुड़कर काम सीख रहा है।

अक्षय ने आगे बताया कि आरव फैशन को किताबी तरीके से नहीं, बल्कि व्यावहारिक तरीके से सीखने के लिए भारत के अलग–अलग गांवों का दौरा कर रहा है। वह वहां के स्थानीय प्रिंट्स, बुनाई और पारंपरिक कला को करीब से समझ रहा है।

आरव भाटिया अक्षय और ट्विंकल खन्ना के बड़े बेटे हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा के बाद महज 15 साल की उम्र में उच्च शिक्षा के लिए लंदन का रुख किया था। अक्षय बताते हैं कि उन्होंने आरव को कभी किसी चीज के लिए मजबूर नहीं किया, बस उन्हें एक ही सलाह दी है कि श्कभी किसी का दिल मत दुखाना।श जहां उनकी छोटी बहन नितारा अक्सर सोशल मीडिया पर नजर आती हैं, वहीं आरव कैमरे और लाइमलाइट से दूर रहना ही पसंद करते हैं।

कैंसर से जंग हारे मशहूर टीवी एक्टर, 41 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

मलयालम मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। मशहूर टेलीविजन अभिनेता सिद्धार्थ वेणुगोपाल का निधन हो गया है। उन्हें फैंस प्यार से श्विनीशश भी बुलाते थे। अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने महज 41 वर्ष की उम्र में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ते हुए दुनिया को अलविदा कह दिया।

सिद्धार्थ पिछले दो सालों से बीमार चल रहे थे, लेकिन अंततः वे जिंदगी की यह जंग हार गए। सिद्धार्थ के निधन की पुष्टि उनकी मार्गदर्शक और मशहूर अभिनेत्री सीमा जी नायर ने की। सीमा पिछले दो सालों से सिद्धार्थ के इलाज में साये की तरह उनके साथ थीं। उन्होंने फेसबुक पर एक दिल दहला देने वाली पोस्ट साझा की।

सीमा ने लिखा, सारी उम्मीदें खत्म हो गईं... लोकप्रिय सीरियल अभिनेता सिद्धार्थ वेणुगोपाल अब एक दर्द रहित दुनिया में चले गए हैं। पिछले दो सालों से मैं तुम्हारे लिए लड़ती रही, जब मेरा शरीर और मन थक गया था, तब भी तुम्हारी सांसें बचाने के लिए दौड़ती रही। आज ईश्वर ने तय किया कि तुम्हें और तकलीफ नहीं होनी चाहिए। सिद्धार्थ, मैं यह सहन नहीं कर पा रही, मैं पूरी तरह टूट गई हूं।

सिद्धार्थ करीब दो साल पहले कैंसर की चपेट में आए थे। उनके संघर्ष के दिनों में मलयालम टीवी इंडस्ट्री के कई कलाकार उनके साथ खड़े रहे। सीमा जी नायर ने उनके इलाज के लिए धन जुटाने से लेकर अस्पताल की भागदौड़ तक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिद्धार्थ वेणुगोपाल का जन्म त्रिशूर के चालाकुडी में हुआ था। कॉलेज के दिनों से ही उन्हें अभिनय और कला का गहरा शौक था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक प्रजेंटर के रूप में की थी। हालांकि, उन्हें असली पहचान टेलीविजन धारावाहिकों से मिली।

फैंस का इंतजार हुआ खत्म, इस दिन बड़े पर्दे पर दस्तक देगी संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर, रणबीर–आलिया और विक्की की तिकड़ी मचाएगी धमाल

संजय लीला भंसाली का नाम सिनेमाई भव्यता और गहरी भावनाओं का पर्याय है। उनकी अगली बड़ी फिल्म श्लव एंड वॉरश को लेकर पिछले काफी समय से बज बना हुआ है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल अहम किरदार में नजर आने वाले हैं।

फैंस काफी समय से श्लव एंड वॉरश की रिलीज का इंतजार कर रहे है। वहीं अब भंसाली ने अपनी इस फिल्म की रिलीज डेट पर मुहर लगा दी है। मेकर्स ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि श्लव एंड वॉरश 21 जनवरी 2027 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

फिल्म को गणतंत्र दिवस के लंबे सप्ताहांत का लाभ मिलेगा। 2025 और फिर 2026 के लिए प्रस्तावित इस फिल्म को अब तक दो बार टाला जा चुका है। जानकारों की मानें तो फिल्म के वीएफएक्स और भव्य सेटों के काम की वजह से यह फैसला लिया गया है।

भंसाली अपनी फिल्मों की दुनिया को पर्दे पर आने से पहले लीक होने से बचाने के लिए जाने जाते हैं। श्लव एंड वॉरश के सेट पर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के क्रू और मुख्य कलाकारों सहित 500 से अधिक लोगों से स्ट्रिक्ट नॉन–डिस्क्लोजर एग्रीमेंट साइन करवाए गए हैं। सेट पर मोबाइल फोन ले जाने पर भी पाबंदी है।

यह फिल्म कई मायनों में खास है क्योंकि इसमें बॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली तिकड़ी एक साथ आ रही है। रणबीर कपूर पूरे 20 साल बाद संजय लीला भंसाली के पास लौटे हैं। उन्होंने 2007 में श्सावरियाश से डेब्यू किया था। वहीं श्गंगूबाई काठियावाड़ीश के लिए नेशनल अवार्ड जीतने के बाद आलिया एक बार फिर भंसाली के निर्देशन में काम कर रही हैं। विक्की कौशल पहली बार भंसाली के भव्य कैनवस का हिस्सा बनेंगे।

गुलाबी रंग से रंगे हाथी की मौत पर भड़की अनुपमा फेम रुपाली गांगुली, पीएम मोदी से की मांग

राजस्थान में एक हाथी को गुलाबी रंग से रंगकर फोटोशूट कराने की घटना ने पूरे देश में गुस्से की लहर पैदा कर दी है। इस विवाद के बीच टीवी शो अनुपमा की मशहूर एक्ट्रेस रुपाली गांगुली ने बड़ा कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने हाथियों की सवारी पर पूरी तरह रोक लगाने और इसके बजाय रोबोटिक हाथियों जैसे विकल्प अपनाने की मांग की है। यह मामला सिर्फ एक फोटोशूट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब यह जानवरों के अधिकारों से जुड़ा बड़ा मुद्दा बन गया है।

अपने पत्र में रुपाली गांगुली ने उस हाथी 'चंचल' का जिक्र किया, जिसे इस फोटोशूट में इस्तेमाल किया गया था और जिसकी बाद में मौत की खबर सामने आई। उन्होंने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक जानवर की मौत नहीं, बल्कि हमारी संवेदनाओं की परीक्षा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ अपने वन्यजीव संरक्षण के साझा दृष्टिकोण का भी जिक्र किया और इस दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की।

रुपाली गांगुली ने अपने पत्र में यह भी बताया कि जिन लोगों के पास यह हाथी था, उनका नाम सादिक खान बताया गया है, जो पहले भी आमेर किले पर हाथियों की सवारी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन हाथियों को जब सवारी के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाता, तब उन्हें जंजीरों में बांधकर रखा जाता है और कंट्रोल करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी स्थिति में हाथियों को शारीरिक ही नहीं, मानसिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है।

रुपाली गांगुली ने अपने पत्र में लिखा कि इस घटना ने पूरे भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के लोगों को झकझोर दिया है। इससे यह साफ होता है कि अब लोग जानवरों के शोषण के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं और समाज में सोच तेजी से बदल रही है।

उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील करते हुए कहा कि जिस तरह इंडोनेशिया ने हाथियों की सवारी पर रोक लगाई है, उसी तरह भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हाथियों की जगह रोबोटिक हाथी, इलेक्ट्रिक वाहन या अन्य गैर–जानवर विकल्पों को बढ़ावा दिया जाए। इससे न सिर्फ जानवरों को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यटन और परंपराओं को भी आधुनिक और सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

इसी दिशा में केरल पर्यटन विभाग ने भी एक नई पहल की है, जहां थम्बूरमोझी बटरफ्लाई गार्डन में मैकेनिकल हाथियों के जरिए सफारी अनुभव दिया जा रहा है। यह पहल दिखाती है कि बिना जानवरों को नुकसान पहुंचाए भी पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

जानकारों का कहना है कि जब हाथियों को मजबूरी में इंसानों के करीब रखा जाता है, तो वे तनावग्रस्त हो जाते हैं और उनका व्यवहार अप्रत्याशित हो सकता है। कई बार ऐसे मामलों में हमले भी देखने को मिलते हैं, जिससे इंसानों और जानवरों दोनों की जान को खतरा होता है।

पलक तिवारी का सिजलिंग अवतार, ब्लैक क्रॉप टॉप में बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने बहुत कम समय में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। वह अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट पर भी तहलका मचाती रहती हैं।

हाल ही में पलक ने ब्लैक स्लीवलेस क्रॉप टॉप में अपनी सुपर सिजलिंग तस्वीरें शेयर की है। पलक की टॉप पर गुलाबी रंग से श्स्नाीपश लिखा हुआ है। इसे उन्होंने बेसिक ब्लू डेनिम जींस के साथ पेयर किया है।

पलक का यह लुक कैजुअल होने के साथ–साथ बेहद सेक्सी और ट्रेंडी है, जो युवाओं को काफी पसंद आ रहा है। पलक ने न्यूड मेकअप और मेसी हेयर स्टाइल के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है।

पलक के इस फोटोशूट की जान उनके फेशियल एक्सप्रेशंस हैं। कभी कैमरे की ओर गहराई से देखते हुए, तो कभी पर्दों के पीछे छिपते हुए, उनके हर पोज में एक अलग गहराई है।

पलक तिवारी जल्द ही प्राइम वीडियो की वेब सीरीज श्लुक्खेश में नजर आने वाली है। यह सीरीज 8 मई को रिलीज हो रही है।

डीपनेक ड्रेस में कंगना शर्मा का बोल्ड अंदाज, सिजलिंग अदाओं से मचाया तहलका

कंगना शर्मा अपने बोल्ड लुक्स की वजह से इंटरनेट पर छाई रहती हैं। वह अपने सिजलिंग अवतार से फैंस के दिल की धड़कने बढ़ा देती हैं।

इस बार कंगना शर्मा ने व्हाइट डीप–नेक स्लिट ड्रेस में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है, जो उनके कर्व्स को बखूबी फ्लॉन्ट कर रहा है।

कंगना ने व्हाइट कलर की डीप नेक, हाई स्लिट लॉन्ग ड्रेस पहनी है, जिसमें फेदर डिटेलिंग स्लीव्स पर खास अट्रैक्शन बना रही है। ड्रेस का ट्रांसपेरेंट इल्यूजन पैनल लुक को और ज्यादा ग्लैमरस बना रहा है।

कंगना ने सॉफ्ट ग्लोइंग मेकअप, न्यूड पिंक लिप शेड और साइड पार्टेड सॉफ्ट वेव्स हेयर स्टाइल के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है।

तस्वीरों में कंगना दरवाजे के फ्रेम को पकड़कर एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही है। वह अपना परफेक्ट फिगर और क्लीवेज फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं।

कंगना के एक्सप्रेशन इस फोटोशूट की जान हैंकृ कहीं सेडक्टिव, कहीं कॉन्फिडेंट तो कहीं प्लेफुल। यही वजह है कि उनकी हर तस्वीर इंस्टाग्राम पर वायरल होने का दम रखती है

कंगना शर्मा एक एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जिन्होंने फिल्म ग्रेट ग्रैंड मस्ती से बॉलीवुड में एंट्री की थी और बाद में वेब सीरीज़ और म्यूजिक वीडियोज़ में भी अपनी पहचान बनाई।